NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.| B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 126 लखनऊ, रविवार 22 दिसंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

सीएम योगी ने सनातन धर्म का सम्मान करने का आह्वान किया

हिंदुओं के खिलाफ अन्याय की आलोचना की

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सशक्त बयान में वैश्विक सभ्यता को संरक्षित करने के लिए सनातन धर्म का सम्मान करने और उसका सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया।

नई दिल्ली (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सशक्त बयान में वैश्विक सभ्यता को संरक्षित करने के लिए सनातन धर्म का सम्मान करने और उसका सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया। अयोध्या में एक कार्यक्रम में बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि भारत के ऋषियों ने प्राचीन ज्ञान के बारे में बात की, जिसमें ष्वसुधैव कुटुम्बकमष् का वर्णन किया गया – पूरे विश्व का एक परिवार। उन्होंने यह भी कहा कि यह धर्म हमेशा अन्य धर्मों और समुदायों के प्रति दयालु रहा है, खासकर संकट के समय उन्हें आश्रय प्रदान करके।

योगी आदित्यनाथ ने सवाल उठाया कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले हिंदुओं को ऐसा सम्मान क्यों नहीं दिया गया है। मंत्री ने हिंदुओं पर अतीत में लगाए गए प्रतिबंधों का जिक्र करते हुए, खासकर बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में, जब उन्हें निशाना बनाया गया और नष्ट कर दिया गया, मंदिरों और धार्मिक स्थलों का जिक्र किया।मुख्यमंत्री ने बताया कि काशी, अयोध्या, संभल और भोजपुर जैसे हिंदुओं के मंदिरों पर इतिहास में बार–बार हमला किया गया और उन्हें अपवित्र किया गया।

योगी आदित्यनाथ ने अपने एक भावुक भाषण में मुगल बादशाह औरंगजेब के बच्चों का भी जिक्र किया। उन्होंने औरंगजेब के परिवार के एक सदस्य के बारे में एक घटना सुनाई, जो उनके अनुसार कोलकाता के पास रिक्शा चलाते हुए पाया गया था।मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर औरंगजेब और उसके परिवार ने हिंदू धर्म और उसके पूजा स्थलों को नुकसान नहीं पहुंचाया होता तो औरंगजेब के परिवार को बाद की पीढ़ियों में दुर्भाग्य का सामना नहीं करना पड़ता।

जयपुर टैंकर हादसा:

मृतक के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद देगी राज्य सरकार

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य सरकार जयपुर में हुए एलपीजी टैंकर हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक मदद देगी।

जयपुर (एजेंसी) राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य सरकार जयपुर में हुए एलपीजी टैंकर हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच–पांच लाख रुपये और घायलों को एक–एक लाख रुपये की आर्थिक मदद देगी।उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "जयपुर–अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गैस टैंकर में आग लगने की घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। अथाह शोक की इस घड़ी में हमारी सरकार द्वारा मृतकों के परिवार को पांच–पांच लाख रुपये तथा घायलों को एक–एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया है।" उन्होंने कहा, "इसके अतिरिक्त, घायलों के समुचित और त्वरित उपचार को सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं।"अधिकारियों ने बताया कि जयपुर के भांकरोटा इलाके में शुक्रवार अलसुबह एलपीजी टैंकर को एक ट्रक द्वारा टक्कर मारे जाने के बाद लगी आग ने 30 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में आठ लोग जिंदा जल गए तथा 35 अन्य्य झुलस गए।इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की।

उत्तर प्रदेश: गृह मंत्री अमित शाह का पुतला जलाने के मामले में दो लोग गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला जलाने के मामले में पुलिस ने जिला पंचायत सदस्य सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि मामले में नामजद जिला पंचायत सदस्य फिलहाल फरार है। पुलिस के मुताबिक, 19 दिसंबर को जिला पंचायत सदस्य विजय श्याम यादव, समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ता सचिन यादव और एक अन्य व्यक्ति ने अमेठी के आंबेडकर तिराहे पर शाह का पुतला जलाया था।अमेठी थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि गृह मंत्री का पुतला जलाने के मामले में जिला पंचायत सदस्य सहित तीन लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर सचिन यादव और अनुपम यादव को गिरफ्तार कर लिया गया जबकि विजय श्याम यादव फरार है।

सपा की जिला इकाई के अध्यक्ष राम उदित यादव ने इस मामले में पुलिस कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हमेशा सत्ता के खिलाफ मुद्दों पर विपक्ष आरोप– प्रत्यारोप करता रहा है पुतले भी जलाए जाते रहे हैं लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी द्वारा इस नई परंपरा को स्थापित किया जा रहा है। अमित शाह की डॉ. भीम राव आंबेडकर पर टिप्पणी के विरोध में विजय श्याम यादव के नेतृत्व में कुछ लोगों ने केंद्रीय मंत्री का पुतला जलाया था।

अमीर और क्राउन प्रिंस से मुलाकात, इंडियन डायस्पोरा को संबोधन, फुटबाल के ओपनिंग सेरेमनी में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी) पीएम मोदी की कुवैत यात्रा पर सचिव (सीपीवी और ओआईए) अरुण कुमार चटर्जी ने कहा कि पीएम मोदी शेख मिशाल अल–अहमद अल–जबर अल– के निमंत्रण पर 21 और 22 दिसंबर को कुवैत की यात्रा करेंगे। यह 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की कुवैत की पहली यात्रा है।

दोनों देशों के बीच उत्कृष्ट राजनीतिक संबंध हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत कुवैत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है। इससे अधिक वर्ष 2023–24 के दौरान 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर...कुवैत भारत के लिए एक विश्वसनीय ऊर्जा भागीदार भी बना हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को ।स ।इकनससी प्दकववत ैचवतजे ब्यउचसम• में करीब 4000–5000 भारतीय लोगों को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री उसके बाद गल्फ कप फुटबॉल के ओपनिंग सेरेमनी में भाग लेंगे। अगले दिन यानी रविवार को आधिकारिक कार्यक्रम होगा, जिसमें कतर के अमीर और क्राउन प्रिंस से मुलाकात होगी। बीते दिनों में मंत्री स्तर पर, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस साल 18 अगस्त को वहां की यात्रा की थी। जब उन्होंने कुवैत के क्राउन प्रिंस, शेख सबा खालिद अल–हमद अल–मुबारक अल–सबा और प्रधान मंत्री अहमद अब्दुल्ला अल से मुलाकात की।

भारत जोड़ो यात्रा के बारे में फडणवीस के आरोप केंद्र सरकार की विफलता को दर्शाते हैं :आदित्य ठाकरे

आदित्य ठाकरे ने कहा कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बारे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आरोपों से पता चलता है कि केंद्र सरकार को देश में सक्रिय आतंकवादियों के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय पिछले 10 साल या फिर ढाई साल (महाराष्ट्र में) में विफल रहा है।

नागपुर (एजेंसी) शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बारे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आरोपों से पता चलता है कि केंद्र सरकार को देश में सक्रिय आतंकवादियों के बारे में जानकारी नहीं है। फडणवीस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र की कांग्रेस–राकांपा सरकार और केंद्र की मनमोहन सिंह सरकार के दौरान "अर्बन नक्सलियों" के मुखौटा संगठन घोषित किए गए कुछ संगठनों ने भारत जोड़ो यात्रा में भाग लिया था।ठाकरे ने विधान भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के बारे में फडणवीस का यह दावा दर्शाता है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय को देश में आतंकवादियों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ठाकरे ने कहा,"मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि वह (फडणवीस) कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) या किसी अन्य संगठन या फिर भारत जोड़ो यात्रा के खिलाफ आरोप नहीं लगा रहे थे। वह केवल यह कहना चाहते थे कि केंद्रीय गृह मंत्रालय पिछले 10 साल (केंद्र में) या फिर ढाई साल (महाराष्ट्र में) में विफल रहा है।"

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 22 दिसंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

बाउंड्री से टकराकर जली होंडा सिटी कार,महिला ड्राइवर ने भागकर बचाई जान

लखनऊसंवाददाताराजधानी लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क के पास शुक्रवार तड़के एक कार में आग लग गई। कार के इंजन से आग निकलते देख महिला चालक ने शोर मचाना शुरू किया। सूचना पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने करीब 10 मिनट में आग पर काबू पा लिया। आग से कार पूरी तरह से जल गई। गोमती नगर एसएचओ के मुताबिक गोमती नगर निवासी आनंद मौर्या की पत्नी किरन अपनी होंडा सिटी कार से घर से निकली थीं। वह जनेश्वर मिश्र पार्क की तरफ से शहीद पथ की तरफ जा रही थीं। उन्होंने बताया कि अचानक कार रोड के किनारे बाउंड्री से टकरा गई, जिससे इंजन की तरफ आग लग गई। दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई है।

दो किलो सोना गायब करने वाला गिरफ्तार,मालिक को दी फर्जी लूट की सूचना

लखनऊसंवाददाताराजधानी लखनऊ में एक ज्वैलर्स के मुनीम ने करीब दो किलो सोना का गबन करने वाले ज्वैलर्स के मुनीम को गिरफ्तार कर लिया। उसने अपने मालिक को फर्जी लूट की सूचना देकर सोना हड़पने का प्लान बनाया था। घटना की जानकारी होती लखनऊ सेंट्रल जोन पुलिस ने क्षेत्र में नाकाबंदी करने के साथ सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए। घटना संदिग्ध लगने पर मुनीम से पूछताछ की तो सामने आया कि उसने सोना हड़पने के लिए लूट की फर्जी सूचना दी थी। डीसीपी सेंट्रल रवीना त्यागी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर सोना बरामद कर लिया है। घटना से जुड़े अन्य बिंदुओ पर जांच पड़ताल की जा रही है। महानगर स्थित हंसिनी ज्वैलर्स का मुनीम अमन सोढ़ी ने मालिक गौरव अग्रवाल को सूचना दी ।

समाजवादी पार्टी ने संत गाडगे महाराज की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, । समाजवादी पार्टी ने प्रदेश मुख्यालय पर महान संत गाडगे महाराज की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई। इस अवसर पर नेता विरोधी दल विधानसभा माता प्रसाद पाण्डेय, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी और मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सुरेन्द्र कुमार उर्फ सोनू कनौजिया ने गाडगे महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने संदेश में कहा कि संत गाडगे महाराज सामाजिक क्रांति के अग्रदूत और स्वच्छता अभियान के जनक थे। उन्होंने गरीबों, अनाथों और विकलांगों की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया और शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिए कई संस्थानों की स्थापना की। उनका जीवन सामाजिक न्याय और सेवा का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में सपा प्रवक्ता फखरूल हसन चांद, वरिष्ठ नेता नवीन धवन बंटी, पवन मनोचा, जयराम कनौजिया, निखिल कनौजिया, प्रदीप कनौजिया, औसान कनौजिया, विन्द्रेश कनौजिया, चौधरी राम प्रकाश, उमेश यादव, रामशंकर कनौजिया, सनी कनौजिया, राजेश कुमार सविता, रमेश सिंह लोधी, प्रवेश कुमार यादव, अशोक कनौजिया और सुरेश दिवाकर समेत कई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभी ने संत गाडगे महाराज के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

संत गाडगे जी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के शेणगांव अंजनगांव में जन्मे संत गाडगे जी की पुण्यतिथि के मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संत गाडगे जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष और प्रभारी प्रशासन श्री दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि संत गाडगे जी ने अपने जीवन में सेवा भाव के साथ समाज के लिए कई धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्यालय, चिकित्सालय और छात्रावास का निर्माण कराया, लेकिन अपने लिए कभी एक कुटिया तक नहीं बनवाई। वे अपने जीवन के अंतिम दिनों में धर्मशालाओं के बरामदे या वृक्ष के नीचे रहते थे।दिनेश कुमार सिंह ने आगे कहा, ष्संत गाडगे जी ने 1905 से 1917 तक अज्ञातवास में रहते हुए समाज को अंधविश्वास, बाह्य आडंबरों और सामाजिक कुरीतियों से मुक्त करने के लिए घोर विरोध किया। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों से समाज को जागरूक किया।ष्इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा, पुनीत पाठक, नितान्त सिंह, विजय पाण्डेय, राजेश सिंह काली, अजहर फैज, राजगुरु नारायण पति त्रिपाठी और नावेद नकवी समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने भी संत गाडगे जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बच्चों के सर्वांगीण विकास में खेल आवश्यक – अर्जुन अवार्डी श्री गुलाब चंद, ओलम्पियन एथलीट

लखनऊ, 21 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड कैम्पस द्वारा 'वार्षिक खेलकूद समारोह – स्पोर्ट्स फिएस्टा–2024' का भव्य आयोजन आज नार्दन रेलवे स्टेडियम, चारबाग, लखनऊ में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे अर्जुन अवार्डी श्री गुलाब चंद, ओलम्पियन एथलीट ने खेल मशाल प्रज्वलित कर खेल समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने पी.टी. डिस्प्ले, भारतीयम् व विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं द्वारा इण्डिया फिट एण्ड यंग का सन्देश दिया। इस अवसर पर उपस्थित भारी जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री गुलाब चंद ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु खेल आवश्यक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बचपन से ही बच्चों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना चाहिए और इसके लिए स्कूलों व अभिभावकों को मिलकर कार्य करना चाहिए।कार्यक्रम का शुभारम्भ सर्व–धर्म प्रार्थना से हुआ। विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने इस अवसर रंगारंग शिक्षात्मक–सॉस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया जबकि मार्च पास्ट व क्रास मार्च पास्ट ने एकता व शान्ति का एक अद्भुद दृश्य प्रस्तुत किया। खेल की विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक पदकों के जबरदस्त होड़ रही और छात्रों ने अपनी शक्ति, दमखम, प्रतिभा व क्षमता का भरपूर प्रदर्शन किया। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं जैसे आक्टोपस रेस, कोन रेस, सांता रेस, मेकिंग ए ब्रिज रेस, कलेक्टिंग द बॉल रेस, हूपला एण्ड कोन रेस, 50मी रेस, 100मी रेस, 200मी रेस, 4 गुणा 100मी रिल रेस आदि में अपनी खेल प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया। सी.एम.एस. स्टेशन रोड कैम्पस की प्रधानाचार्या सुश्री दीपाली गौतम ने इस अवसर पर कहा कि खेल का मैदान ऐसा है जहां अनेक गुण पैदा होते हैं एवं चरित्र का निर्माण होता है। इस तरह के आयोजन जीवन में एकता की भावना को बढ़ाते है।

शहतूत वृक्षारोपण के साथ सहफसली खेती से किसानों की आय में हुई बढ़ोत्तरी

C;jk

प्रतापगढ़। प्रदेश में अधिकतर रेशम उत्पादक किसान सीमांत और लघु कृषक होते हैं। खाद्यान्न की आवश्यकता के दृष्टिगत किसानों ने खेतीबाड़ी की पुरानी परम्पराओं को अभी तक अपनाया हुआ है। रेशम उत्पादन की पद्धतियों को भी देखा जाय तो यही बात सामने आती है कि अधिकतर किसान पुराने तरीकों को छोड़ने के लिए राजी नहीं होते हैं। इसलिए जरूरी है उनकी भूमि के एक भूखंड से ही कृषि विविधता लाकर आमदनी बढ़ाई जाय। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रदेश सरकार ने शहतूत वृक्षारोपण का एक सहफसली प्रारूप केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान पांपोर केंद्रीय रेशम बोर्ड द्वारा तकनीकी स्थानांतरण हेतु स्वीकृत किया है।

किसान अपनी कृषि युक्त भूमि पर इस प्रकार से शहतूत वृक्षारोपण करते हैं कि परंपरागत कृषण कार्य भी चलता रहे और रेशम कीट पालन हेतु उसी खेत से उच्च गुणवत्ता युक्त शहतूत की पत्तियों भी प्राप्त हो रही है। केवल पहले वर्ष में नियमित पैदावार लगभग 20 प्रतिशत प्रभावित होगी, दूसरे वर्ष से इसी खेत से अतिरिक्त आय आनी शुरु हो जाती है। यदि कोई किसान अपने खेत में 300 शहतूत के पेड़ नयी पद्धति से लगा ले और केवल दो फसलों में पत्ती बेचने (रु0 4 प्रति किलो की दर से) का काम करे तो भी वह दूसरे वर्ष में लगभग 5 हजार रूपये एवं अगले 4–5 वर्षों से इसी खेत से वह लगभग 18000 रूपये वार्षिक की अतिरिक्त आय, केवल पत्ती बेच कर प्राप्त कर सकता है।किसान इसी शहतूत उद्यान से साल में दो फसल भी बाइवोल्टाईन रेशम कीटपालन का कार्य करता है तो उचित उत्पादन के साथ वह दूसरे साल से 10 हजार रूपये का कोया उत्पादन कर सकता है और चौथी पाँचवी साल में वह 30–35 हजार मूल्य का रेशम कोया, 300 शहतूत पेड़ो की उचित रखरखाव और सफल कीटपालन से उत्पादित कर सकता है। अगर कोई किसान अपने खेत में गेहूं और मक्के की खेती कर रहा है और इसी खेत में शहतूत के पेड़ भी लगा देते हैं तो अगले 4–5 वर्षों में इसी खेत से किसान विशाल रेशम कीटपालन के साथ अपनी कुल आय दुगुनी कर सकता है।उचित लाभ प्राप्ति हेतु कम से कम 100 पेड़ भी स्थापित किए जा सकते है, पर 300 पेड़ का उद्यान स्थापित हो तो आर्थिक लाभ हेतु उत्तम रहता है। जितने अधिक पेड़ होंगे उसी अनुपात में पत्ती एवं तदनुसार रेशम कोया का उत्पादन अधिक होगा। यदि किसी किसान के पास जमीन कम है पर वह अधिक पेड़ लगाना चाहता है तथा रेशम कीटपालन से अधिक आय प्राप्त करना चाहता है, तो वह मेड़ के बाद खेत के बीच में सीधी कतार में पेड़ लगा सकता है, खेत की चौड़ाई के अनुसार कतार की संख्या निर्धारित होती है, क्योंकि दो कतारों के बीच में कम से कम 18 फीट की दूरी होनी चाहिए। इस प्रकार से एक खेत में परम्परागत खेती को प्रभावित किए बगैर किसान अपने लिए अतिरिक्त आय का एक सशक्त माध्यम कम से कम अगले 20–25 साल तक आसानी से कर सकता है। इस पद्धति से एक एकड़ जमीन में 300 शहतूत पेड़ लग सकते है। भूमि की उपलब्धता के आधार पर 100 पेड़ से 300 पेड़ तक का शहतूत उद्यान आसानी से स्थापित किया जा सकता है। प्रदेश के हजारो किसान सहफसली खेती कर खाद्यान्न के साथ–साथ रेशम के कोया उत्पादन कर अपनी अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर रहे हैं।

विकास भवन सभागार में ''विधान से समाधान'' कार्यक्रम का किया गया आयोजन

महिलाएं परिवार की रीढ़ होती हैं–जनपद न्यायाधीश

C;jk

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय महिला आयोग के निर्देश एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार विकास भवन सभागार में ''विधान से समाधान'' कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं के हितार्थ विधिक जागरूकता कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महिलाओं को संबोधित करते हुए जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद ने कहा कि महिलाएं परिवार की रीढ़ होती हैं, न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत विधि के अनुसार महिलाओं को उनके अधिकारों को प्राप्त करने में सहयोग करने हेतु विधान से समाधान विधिक जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। जनपद न्यायाधीश ने भरण पोषण अधिनियम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि तहसील पट्टी में स्थापित ग्राम न्यायालय में जो गांव उस क्षेत्र में आते हैं वहां की महिलाएं भरण पोषण से संबंधित वाद ग्राम न्यायालय पट्टी में दाखिल कर सकती हैं और उसकी अपील जिला न्यायालय में की जा सकती है। इस प्रकार उन्हें न्याय प्राप्त करने के जनपद में ही दो अवसर प्राप्त होंगे। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विधान से समाधान कार्यक्रम की शुरुआत की गई है हमारे देश की 70 प्रतिशत आबादी गांव में रहती है। गांव की महिलाओं के सशक्त होने से जहां वह अपने अधिकारों को प्राप्त करेंगी, वही वह दूसरे के अधिकारों को प्राप्त करने में मदद करेंगी। इस अवसर पर उपायुक्त स्वत रोजगार अश्वनी कुमार ने कहा कि आज महिलाएं सशक्त होकर विकास के पथ पर अग्रसर हो रही हैं, कानूनी रूप से सशक्त होने से उन्हें और मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्योति शाक्य ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जागरूकता अधिकारों को प्राप्त करने का माध्यम है। डॉ पारुल सक्सेना चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु पेट के निचले हिस्से में लगातार दर्द होने पर महिलाएं जांच अवश्य कराए, जिससे समय रहते इसका इलाज हो सके। उन्होंने एनीमिया के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि हरी सब्जियां ,काले चने, गुड़ एवं आयरन की गोली के सेवन के माध्यम से एनीमिया से बचाव किया जा सकता है। इस अवसर पर एंटी रोमियो प्रभारी प्रीति कटियार ने महिला सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1090, 181 एवं साइबर अपराधों से बचाव के संदर्भ में 1930 के विषय में जानकारी प्रदान किया।रिसोर्स पर्सन नाजिया नफीस अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे एसिड हमला, बलात्कार, अपहरण, किसी भी प्रकार का यौन हमला, मानव तस्करी, क्रूरता, पाक्सो अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न व उससे बचने के उपाय के बारें मे बताते हुये महिलाओं को जागरूक किया गया। उन्होंने यह भी बताया गया कि ऐसा होने पर शिकायत कहां दी जा सकती है।भारतीय संविधान और फैक्ट्री अधिनियम के तहत महिलाओं के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन महिलाओं तथा सामान्य जन के हितार्थ सरकारी योजनाओं के संबंध में व सम्पत्ति में महिलाओं के अधिकार, घरेलू हिंसा अधिनियम, भरण–पोषण अधिनियम आदि के बारे में महिलाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में जिला मिशन प्रबंधक सुमन पाण्डेय ने कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से समाज सशक्त होगा। कार्यक्रम का संचालन राम प्रकाश पाण्डेय पीएलवी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया। इस अवसर पर महेंद्र त्रिपाठी, गिरीश पाण्डेय, रामचंद्र मिश्र, अमन त्रिपाठी, सुरेंद्र कुमार ने महिलाओं से जुड़े कानूनों पर विचार व्यक्त किया। जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं को जागरूक करने के लिए पंपलेट एवम किट वितरित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रही। शिविर में निलेश पाण्डेय, शैलेश ओझा ,अजय शर्मा एवं प्रमोद सिंह यादव ने सहयोग प्रदान किया।

रचनात्मक सोच व कलात्मक प्रतिभा का अनूठा संगम बना सैम–2024

लखनऊ, 21 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, इन्दिरा नगर द्वितीय कैम्पस एवं अयोध्या रोड कैम्पस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पाँच दिवसीय इण्टरनेशनल स्पोर्टस, आर्टस एण्ड म्यूजिक प्रतियोगिता (सैम–2024) का तीसरा दिन आज देश–विदेश के प्रतिभागी छात्रों की रचनात्मक सोच व कलात्मक प्रतिभा के अनूठे संगम का गवाह बना।प्रतियोगिताओं का सिलसिला आज सीनियर वर्ग की सैम क्विजर्स (क्विज) प्रतियोगिता के फाइनल राउण्ड से हुआ। प्रारम्भिक राउण्ड से चयनित 10 छात्र टीमों ने प्रतियोगिता में बड़े उत्साह से भागीदारी की व अपने ज्ञान–विज्ञान से दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। प्रतियोगिता में स्पोर्ट्स, आर्टस, म्यूजिक व जनरल अवेयरनेस से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गये, जिसका प्रतिभागी छात्रों ने बिजली की गति से जवाब देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।इसी प्रकार, सीनियर वर्ग की सैम स्कल्पटर्स (3डी मॉडल मेकिंग) प्रतियोगिता भी बेहद आकर्षक रही, जिसमें छात्रों ने एक से बढ़कर एक मॉडल बनाकर खेल, कला व संगीत के माध्यम से एकता, शान्ति व सौहार्द की भावना को दर्शाया। यह प्रतियोगिता 'माई सिटी –फेस ऑफ ए सस्टेनबल फ्यूचरिस्टिक सिटी' थीम पर सम्पन्न हुई। इसी प्रकार, सैम मेलिफ्लुअस मार्शल्स (मार्शल आर्ट) प्रतियोगिता भी अत्यन्त रोचक रही। इस दिलचस्प प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रों ने संगीतमय प्रस्तुति के साथ परम्परागत मार्शल आर्ट का जोरदार प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। प्रतियोगिता में छात्रों की चुस्ती–फूर्ती, कला–कौशल व तकनीक देखने लायक थी।

बलरामपुर चिकित्सालय में लगा रक्तदान शिविर

लखनऊसंवाददाताऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत फोरम द्वारा आज बलरामपुर चिकित्सालय की ओपीडी में एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मदरसा नदवा तुल उलेमा के 70 छात्रों ने समाज और मानवता के लिए रक्त दान किया। इस रक्त दान शिविर में डॉ. सुशील प्रकाश डायरेक्टर बलरामपुर चिकित्सालय, डॉ. संजय तेवतिया सीएमएस बलरामपुर चिकित्सालय, डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी, डॉ विनोद एच. गुप्ता इंचार्ज ब्लड बैंक और संस्था के सम्मानित सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर डायरेक्टर बलरामपुर चिकित्सालय डॉ सुशील प्रकाश ने संस्था को इस पुनीत काम के लिए साधुवाद देते हुए कहा कि रक्त दान करना पुण्य का काम है, इन छात्रों ने जो रक्त दान किया है उनका ये कार्य मानवता की मिसाल है। आज पूरे देश में लोग जाति और धर्म के नाम पर कुछ भी करने को तैयार हैं लेकिन रक्तदान से पीछे रहते हैं, वहीं मदरसा नदवा तुल उलेमा के इन छात्रों ने जो रक्तदान किया है वो किसी न किसी की जान बचाएगा और वो भी बिना किसी की जात और धर्म देखे। हमारे देश में हर साल न जाने कितने ही लोग सिर्फ समय पर रक्त न मिलने से जान गवां बैठते हैं, यह ऐसी चीज है जो किसी फैक्ट्री में नहीं बनता। दुनिया के हर धर्म से बड़ा मानवता का धर्म है। डॉ संजय तेवतिया सीएमएस बलरामपुर चिकित्सालय ने कहा कि छात्रों ने रक्त दान कर मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा किया है। आज हमारे समाज में इस तरह के काम बहुत कम हो गये हैं। आज हमें लोगों को रक्त दान के लिए ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने की जरूरत है, क्या पता आपके द्वारा दान किया गया रक्त, आप के ही किसी अपने के काम आ जाये। इस मौके पर संस्था के कोऑर्डिनेटर शफीक चौधरी ने सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

ठेले वाले को गोली मारने वाला शातिर गिरफ्तार

लखनऊसंवाददाताराजधानी लखनऊ में चाट विक्रेता की गोली मारकर हत्या करने वाले शातिर अपराधी राकेश कालिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद हुआ है। पुलिस उसकी एक हफ्ते से तलाश कर रही थी। इसकी जानकारी देते हुए डीसीपी पश्चिम ओमवीर सिंह ने बताया कि कालिया की तलाश में ठाकुरगंज थाना पुलिस के साथ सर्विलांस और क्राइम टीम लगी थी। एडीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार रात 9.30 बजे चाट का ठेला लगाने वाले राजेश गौतम (55) की हत्या कालिया ने गोली मारकर कर दी थी। उसने पूछताछ में बताया ठेला लगाने के स्थान को लेकर विवाद हुआ था। इसके चलते ही उसने घटना को अंजाम दिया था। गिरफ्तार राकेश कालिया ने हत्या करने के बाद तमंचा के साथ खोखा और कारतूस को पुराने हाईकोर्ट कचहरी के नाले में फेंक दिया था। जिससे कोई उसको खोज न सके। पुलिस की पूछताछ में राकेश लोधी उर्फ राकेश कालिया ने बताया कि पुलिस से बचने के लिए रिश्तेदारों के घर नहीं गया। साथ ही मोबाइल फोन बंद भी बंद कर दिया था। हर तीन चार घंटे पर ठिकाना बदल देता और रात को सोने के लिए सड़क किनारे खड़े होने वाले खाली ऑटो और डाला का प्रयोग करता था।

गीत नया गाता हूं कार्यक्रम का आयोजन, रिटायर कर्मचारियों को किया सम्मानित

लखनऊसंवाददाताहजरतगंज स्थित उ.प्र हिंदी संस्थान में राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान उ.प्र और डेल्फिक एसोसिएशन द्वारा गीत नया गाता हूंश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस के अवसर पर हुआ। कार्यक्रम में मुशायरा और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि रमेश प्रसन्न महासचिव अंतरराष्ट्रीय डेल्फिक काउंसिल और अशोक सिंह सेक्रेटरी नेशनल डेल्फिक काउंसिल सहित अन्य अतिथि शामिल थे। सभी अतिथियों का स्वागत पगड़ी, प्रतीक चिह्न, पुस्तक और शॉल से किया गया। कार्यक्रम का शुरुवात मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ।

जनपद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की तिथि 21 जनवरी की गयी निर्धारित

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ लेने हेतु अभ्यर्थी करें आनलाइन आवेदन

Hk;gj.k lokn C;jk

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में शासन एवं निदेशालय समाज कल्याण उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा जनपद प्रतापगढ़ हेतु 1444 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष योजनान्तर्गत अभी तक 540 जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम दिनांक 28 नवम्बर को एटीएल ग्राउण्ट में सम्पन्न हो गया है। अवशेष लक्ष्य की पूर्ति हेतु सामूहिक विवाह का आयोजन किये जाने हेतु दिनांक 21 जनवरी 2025 की तिथि निर्धारित की गयी है। उन्होने बताया है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत अनुसूचित जातिध् अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों के पुत्रियों की सामूहिक विवाह हेतु पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी आनलाईन आवेदन पोर्टल पर कर सकते है जिससे सामूहिक विवाह का आयोजन सम्पन्न कराया जा सके।

वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिजीज की कार्यशाला का होटल प्रभाकार में किया गया आयोजन

Hk;gj.k lokn C;jk

प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद की

अध्यक्षता में वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिजीज (वीपीडी) की कार्यशाला का आयोजन होटल प्रभाकर में किया गया। कार्यशाला में टीकाकरण से वंचित बच्चों को होने वाली बीमारियों एएफपी, मिजिल्स, रूबेला, काली खांसी, गला घोटू एवं टिटनेस के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। इस कार्यशाला में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा0 ए0एन0 राय, डब्ल्यूएचओ की एसएमओ डा0 सुष्मिता, डीपीएम डा0 आर0बी0 यादव, जिला सहायक प्रतिरक्षण अधिकारी महेश कुमार सिंह सहित वकील अहमद, सभी ब्लाकों के अधीक्षक, मेडिकल आफिसर तथा अर्बन से चिकित्सा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

डीएम, सीडीओ एवं एडीएम ने गरीबों, असहायों को कम्बल का किया वितरण

Hk;gj.k lokn C;jk

प्रतापगढ़। जनपद में कड़ाके की ठंड एवं शीतलहर से जरूरतमंदों, गरीबों, असहायों, कमजोर वर्ग को राहत दिलाने के लिये जिलाधिकारी संजीव रंजन, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने विभिन्न स्थलों पर लोगों को कम्बल का वितरण किया तथा जनपद में स्थापित रैन बसेरों व अलाव जलने वाले स्थलों का

निरीक्षण भी किया। डीएम ने तुलसीसदन (हादीहाल) में बनाये गये रैन बसेरा का निरीक्षण कर वहां पर बनाये गये रजिस्टर का अवलोकन किया एवं गरीबों एवं असहायों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होने ईओ नगर पालिका को निर्देशित किया कि रैन बसेरा में आश्रय लेने वाले लोगों को भोजन, पीने के पानी, अलाव की व्यवस्था जरूर रहे। जिलाधिकारी ने चौक घण्टाघर पहुॅचकर अलाव का निरीक्षण किया, मौके पर अलाव जलता हुआ पाया गया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठण्ड के दृष्टिगत चिन्हित स्थानों पर अलाव जलता रहे, इस दौरान वहां पर उपस्थित जरूरतमंद लोगों को डीएम, सीडीओ व एडीएम ने कम्बल वितरित किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठण्ड के दौरान कोई भी गरीब, असहाय व्यक्ति सड़क के किनारे खुले में न सोने पाये, यदि कोई व्यक्ति खुले में सोता हुआ पाया जाये तो उसे रैन बसेरा में भेजवाया जाये। इस दौरान उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, जिला आपदा विशेषज्ञ अनुपम शेखर तिवारी, रैन बसेरा के प्रभारी योगेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

'याद करो कुर्बानी मार्च' निकाल कर याद किए गए काकोरी कांड के महानायक

-क्रांतिकारी गीतों से वीर नायकों को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

अयोध्या।(एजेंसी) काकोरी कांड के महानायक अमर शहीद अशफाक उल्लाह खां, पंडित रामप्रसाद, रोशन सिंह व राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी के शहादत दिवस पर गुरुवार को शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'याद करो कुर्बानी मार्च' निकाल उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को याद किया गया। बिजली विभाग परिसर में सभा आयोजित की गई। अध्यक्षता पूजा श्रीवास्तव व संचालन डॉ.नीरज सिन्हा नीर ने किया।सभा मे सबसे पहले रामजी तिवारी ने क्रांतिकारी गीत 'वक्त यही बढो साथियों सुनाया'। युवा कवि कबीर जलेस के अध्यक्ष जफर, पूजा श्रीवास्तव ने अपनी क्रांतिकारी कविता पढ़ करके श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा को मुख्यातिथि लेखिका जलेस की सदस्य डॉ. विनीता कुशवाहा ने सम्बोधित किया। कहा कि आजादी के लिए क्रान्तिकारियो ने कुर्बानी दी। कहा कि साझी शहादत, साझी विरासत को बरकरार रखने की जरूरत है। महिलाओं को आगे आना होगा। डीवाईएफआई के प्रदेश उपाध्यक्ष कामरेड शेरबहादुर शेर ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत को देश से भगाने के लिए बहुत सारे युवाओं ने कुर्बानी दी। मुक्कमल आंदोलन व कुर्बानी की बदौलत देश आजाद हुआ। समाजवादी महिला सभा की महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल ने कहा कि क्रान्तिकारियो की कुर्बानी से सीखना होगा। महिलाओं व युवाओं को आज के हालात में नफरत व हिंसा का मुंहतोड़ जवाब देना होगा। ट्रस्ट चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी ने कहा कि क्रांतिकारियों ने अपने लिए नही अपनो के लिए कुर्बानी दिया। सभा के बाद शिवधर द्विवेदी व अन्य लोगों ने "याद करो कुर्बानी" मार्च निकाला। इंकलाब जिंदाबाद, क्रांतिकारियों की शहादत जिंदाबाद, काकोरी के अमर शहीदों की शहादत जिंदाबाद, साझी शहादत, साझी विरासत जिंदाबाद, काकोरी के अमर शहीद अशफाक उल्लाह खा,पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी और रोशन सिंह अमर रहें जैसे ओजस्वी नारों की गूंज रही। साम्रज्यवाद मुर्दाबाद जैसे गगन भेदी नारे लगाते हुए पुष्पराज चौराहे से होते हुए जेल परिसर में अमर शहीद अशफाक उल्लाह खान की प्रतिमा पर पहुचकर माल्यर्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित की गई। किसान नेता कमला प्रसाद बागी, अनिल वर्मा, धीरज द्विवेदी, शिबधर द्विवेदी, श्रीनिवास पांडेय, बीएसएनल यूनियन के अध्यक्ष कॉम तिलकराज तिवारी, अजय बाबा, रामजी तिवारी, पल्लन, रामरती, रामकली, अखिलेश सिंह, पी के,रामसुरेश निषाद, श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, मोहम्मद जफर, सुशीला, मीना, लतीफ अहमद, शेरबहादुर शेर, अर्जुन यादव, रामनायक सिंह,मीना यादव, विनीत मौर्या, पूनम बौद्ध, अधिवक्ता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिषद के अध्यक्ष मनोज मल्होत्रा, आदि तमाम प्रगतिशील ,लेखक आदि सैकड़ो महिलाएं युवा शामिल रहे।

बलिदान दिवस पर शिद्दत से याद किये गए शहीद अशफाक उल्ला खां

-मंडल कारागार परिसर के शहादत स्थल पर अर्पित की श्रद्धांजली

अयोध्या।(एजेंसी) शहीद अशफाक उल्ला खां को उनके बलिदान दिवस पर पूरा देश नमन कर रहा है। । काकोरी कांड में 19 दिसंबर 1927 को उन्हें अयोध्या के मण्डल कारागार फांसी दे दी गई थी। शहीद अशफाक उल्ला खाँ के बलिदान दिवस पर समाजवादी मजदूर सभा ने पुष्पराज चौराहा पर इकट्ठा होकर मार्च निकाल कर जेल परिसर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजली अर्पित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कैलाश कोरी तथा संचालन वीरेन्द्र तिवारी ने किया। सभी ने गगन भेदी नारा लगाते हुए जेल परिसर पहुँच कर गोष्ठी के रूप में तब्दील हो गयी जहाँ पर गोष्ठी को सपा के पूर्व पार्षद कमलेश सोलंकी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हम अपने महान वीर सपूत को याद कर रहे जिन्होंने हमे अंग्रेजों से आजादी दिलायी। प्रदेश सचिव अखिलेश चतुर्वेदी ने विस्तृत से काकोरी के अमर शहीदों के बारे में विचार प्रस्तुत किया। आज हमें पुनः लामबन्द होकर अपने देश व जनता के लिए पुनः एक बार फिर भाईचारा कायम रखते हुए अपने शहीदों के सपनों का साकार करना होगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष मजदूर सभा राजकपूर, महासचिव आर.टी. यादव, जिला उपाध्यक्ष महेश सोनकर, अमरजीत पासवान, जंगबहादुर वर्मा, कृष्ण कुमार तिवारी, उमाकान्त पाण्डेय, राधेश्याम वर्मा, शिवचन्द्र, सियाराम, पंचम, लकी, राकेश, विश्वनाथ कोरी, सौरभ सिंह एड., संतोष कोरी, रविकान्त, सुरेन्द्र तिवारी, राजू गुप्ता, आशीष कोरी, राजू मौर्या, रामबुझावन, वीरेन्द्र चौधरी सहित सैकड़ों साथी उपस्थित रहे।

वहीं वामपंथी दलों ने साम्प्रदायिक फासीवाद के विरुद्ध सौहार्द के लिए मार्च निकालकर मण्डल कारागार स्थित अशफाक की प्रतिमा पर माल्यार्पण उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मार्च से पूर्व हुई सभा को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज जब हम शहीदों की क्रांतिकारी विरासत को याद कर रहे हैं तो दूसरी तरफ देश की सरकार शहीदों के सपनों को कुचलने में लगी है। भरी संसद में लोकतंत्र का मजाक उड़या जा रहा है। देश के गृहमंत्री संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि आज जब देश को शहीदों के सपनों के आधार पर देश को आगे ले जाने की जरूरत थी तो भाजपा और आरएसएस अपने साम्प्रदायिक ऐजेण्डे के जरिए देश को विभाजन की तरफ ले जाने की कोशिश कर रही है। ऐसे चुनौती पूर्ण समय में हमें अशफाक और बिस्मिल की साझी शहादत और साझी विरासत को आगे ले जाने की जरूरत है। कार्यक्रम में भाकपा जिला सचिव अशोक कुमार तिवारी, भाकपा (माले) जिला प्रभारी अतीक अहमद, माकपा जिला सचिव अशोक यादव, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अनिल सिंह, मजदूर नेता शैलेन्द्र प्रताप सिंह, किसान नेता रामजी राम यादव, विनोद सिंह, इनौस जिला संयोजक अजय शर्मा चंचल, सामाजिक सांस्कृतिक कार्यकर्ता आफाक उल्ला, ओमप्रकाश यादव, उदयचंद यादव, राम सिंह, इंतजार अली, हस्मत अली, सूरज यादव आदि दर्जनों लोग शामिल रहे।

नीलगाय से टकराकर बाइक सवार दंपति घायल

मिल्कीपुर–अयोध्या(एजेंसी)। थाना इनायतनगर के ग्राम पंचायत खिहारन निवासी छेदीलाल यादव (58) और उनकी पत्नी बृहस्पतिवार को दिन में 2:30 बजे नीलगाय से टकराकर घायल हो गए।वह बाइक से अपनी एक रिश्तेदारी में जा रहे थे।तभी रास्ते में हैरिंग्टनगंज–देहली बाजार संपर्क मार्ग पर एक नीलगाय अचानक उनकी बाइक से टकरा गया जिससे बाइक सवार दंपति सड़क पर ही गिर पड़े और घायल हो गए। दुर्घटना में छेदीलाल यादव को काफी गंभीर चोटें आई हैं। ग्रामीणों ने दुर्घटना में घायल दंपति को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया है। जहां इमरजेंसी वार्ड में उनका इलाज चल रहा है

पुलिस ने पकड़ी हरे आम की लकड़ी से लदी डीसीएम

गोसाईंगंज–अयोध्या।(एजेंसी) गोसाईंगंज कोतवाली इलाके के महबूबगंज चौकी इंचार्ज ने गुरुवार की भोर में चेकिंग के दौरान पुलिस ने हरे आम की लकड़ी से लदी एक डीसीएम को पकड़ा है। चौकी इंचार्ज गोविंद अग्रवाल के मुताबिक एक डीसीएम मया बाजार की तरफ से टांडा की तरफ जा रहा था। डीसीएम पन्नी के तिरपाल से पूरी तरह से ढंकी हुई थी।शक होने पर पुलिस ने जब उसे रोका तो चालक ने चौकी के आगे ले जाकर डीसीएम खड़ी कर दिया और फरार हो गया। तिरपाल को हटाकर जब पुलिस ने देखा तो पूरी डीसीएम लकडी से भरी हुई थी।डीसीएम को मय लकड़ी के साथ कोतवाली लायी गयी।गिनती में लकड़ी कुल 114बोटा निकली। मामले में 4ध10उत्तरप्रदेश वन संरक्षण अधि।नियम की धारा38ट्रांजिट ऐक्ट के तहत केस दर्जकर लकड़ी व डीसीएम को सीज कर दिया गया।बताया कि सरकार की मंशानुरूप उनके इलाके में अवैध कटान व अवैध खनन पर तरह से प्रतिबंधित है।यदि कोई भी अवैध खनन व कटान करता हुआ पकड़ा जाएगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

चाणक्य परिषद की मया ब्लाक इकाई का किया गठन

गोसाईंगंज–अयोध्या(एजेंसी)। श्री राम जानकी मंदिर बाकरगंज पर चाणक्य परिषद के ब्लॉक अध्यक्ष राधेश्याम पांडे की अध्यक्षता व राम तिलक पांडे के संचालन में परिषद की बैठक गुरुवार को की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला जिलाध्यक्ष लखनधर तिवारी व विशिष्ट अतिथि उमाशंकर तिवारी,जिला कोषाध्यक्ष की उपस्थिति में 14 जनवरी के स्थापना दिवस की तैयारी व मया ब्लॉक के परिषद पदाधिकारियों का गठन किया गया। जिसमे सर्व सम्मति से अध्यक्ष पद पर राधेश्याम पांडे को पुनः परिषद का ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया। हरिशरण तिवारी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष,सुनील तिवारी उपाध्यक्ष, राम तिलक पांडे कोषाध्यक्ष,श्रीकांत द्विवेदी महामंत्री,प्रदीप तिवारी उपमंत्री देवमणि तिवारी संगठनमंत्री, दिनेश कुमार मिश्रा लेखा परीक्षक, राममुनि पांडे को प्रवक्ता चुना गया। इसके अलावा रामलगन तिवारी , वीरेंद्रपांडे , श्यामनाथ पांडे, धीरेंद्र कुमार उपाध्याय ,सुनील तिवारी को सदस्य के रुप मे चयन सर्वसम्मति से किया गया। आगामी 14 जनवरी को भरतकुंड में आयोजित होने वाले स्थापना दिवस को भव्य बनाने का संकल्प सदस्यों ने लिया।

आईएमए के सेमिनार में कैंसर स्ट्रोक पर हुई गहन चर्चा, चिकित्सकों को दी गई नई जानकारी

अयोध्या।(एजेंसी) इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) अयोध्या की ओर से एक सेमिनार का आयोजन सिविल लाइन्स स्थित होटल में कराया गया। सेमिनार में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में शहर के नामचीन चिकित्सकों का जमावड़ा लग गया। देर शाम तक चले कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने कैंसर स्ट्रोक व अन्य गंभीर बीमारियों से बचाव का सुझाव दिया। इस दौरान चिकित्सकों की जिज्ञासाएं भी शांत की गई।

आईएमए के अध्यक्ष डॉ.आरके बनौधा ने बताया कि चिकित्सकों के लिए सेमिनार बेहद आवश्यक हैं। डॉ. प्रदीप कुमार (डीएम न्यूरोलॉजी), कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. साकेत पांडेय व डॉ. अमित पांडेय (डीएम आंकोलॉजी) ने सेमिनार को संबोधित किया। डॉ. साकेत पांडेय ने बताया कि कैंसर शरीर की कोशिकाओं की बीमारी है। आम तौर पर कोशिकाएं नियंत्रित तरीके से बढ़ती हैं, हालांकि कभी–कभी कोशिकाएं असामान्य हो जाती हैं और बढ़ती रहती हैं। असामान्य कोशिकाएं ट्यूमर नामक द्रव्यमान बना सकती हैं। कैंसर शब्द का इस्तेमाल इन कोशिकाओं के संग्रह का वर्णन करने के लिए किया जाता है, जो शरीर के भीतर बढ़ती और संभावित रूप से फैलती हैं। चूंकि कैंसरग्रस्त कोशिकाएं लगभग किसी भी प्रकार की ऊतक कोशिका से उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए कैंसर वास्तव में लगभग 100 विभिन्न बीमारियों को संदर्भित करता है।उन्होंने बताया कि हम कैंसर के सभी जोखिमों और कारणों को नहीं जानते हैं। हालांकि ऐसे कई रासायनिक, भौतिक और जैविक एजेंट हैं जो कोशिका ब्लूप्रिंट में उन गलतियों को ट्रिगर करते हैं जो कैंसर का कारण बनते हैं।

ननिहाल में आई किशोरी की उल्टी दस्त से हुई मौत, परिजनों ने पोस्टमार्टम कार्रवाई से किया इंकार

मीरजापुर(एजेंसी)। ननिहाल में आई एक किशोरी की उल्टी दस्त से हुई मौत के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया है जबकि सूचना पर पहुंची पुलिस को परिजन पीएम कार्रवाई से इनकार कर दिया है। बताया जा रहा है कि हलिया थाना क्षेत्र के मवई कलां गांव स्थित सुइया कला मजरे में गुरुवार को दोपहर उल्टी–दस्त के बाद चक्कर आने से 14 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल किया, लेकिन परिजन पीएम कार्रवाई से इनकार कर दिये। अलीगढ जनपद के थाना दादो, जबरिया नगरा निवासी गजेंद्र की 14 वर्षीय पुत्री शिवानी अपने ननिहाल नाना केवला प्रसाद मवई कलां स्थित सुइया मजरे में 28 नवंबर को अपनी मां सरिता के साथ आई थी। जिसकी अचानक रात से पेट में दर्द के बाद दो तीन उल्टी–दस्त हुआ सुबह उसके पेट में दर्द के बाद चक्कर आने लगा तो घर के पास रखे पुआल पर बैठ दर्द से शोर लगी थी।

माटी रतन सम्मान से नवाजे गए गौहर रजा, सुभाष चन्द्र कुशवाहा व बाल साहित्यकार मृगेंद्र राज पाण्डेय

-अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान की ओर से आयोजन
-पूंजीवाद के बढ़ते प्रभाव से अधिकारों से वंचित हो रहे हैं गरीब रू मेधा पाटेकर

अयोध्या।(एजेंसी) अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान की ओर से गुरुवार को साहित्यकारों को माटी रतन सम्मान दिया गया। उर्दू भाषा साहित्य के लिए गौहर रजा, हिंदी भाषा साहित्य के लिए सुभाष चन्द्र कुशवाहा तथा बाल साहित्यकार मृगेंद्र राज पाण्डेय को प्रदान किया गया। प्रेस क्लब सिविल लाइंस में एक भव्य समारोह में समाजसेविका मेधा पाटकर ने यह सम्मान प्रदान किया। समारोह काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष पर काकोरी एक्शन के शहीदों की स्मृति में आयोजित था।कार्यक्रम में मेधा पाटकर ने कहा कि पूंजीवाद के बढ़ते प्रभाव से गरीबों को उनके अधिकार से बंचित होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गलत टैक्स प्रक्रिया अपनाने से उद्योग जगत की पूंजी में आवारा की तरह वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि आज लूट की नहीं आवारा पूंजी को जप्त करने का समय है। अगर पूंजीपतियों के धन को उचित टैक्स से सरकार वापस ले तो देश में शिक्षा और स्वास्थ्य को मुफ्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में साहित्यकार गौहर रजा ने वैज्ञानिक तरीके से समाज में व्यवस्था बदलने का आवाहन किया।

क्रांतिकारी इतिहास लेखक सुभाष चन्द्र कुशवाहा ने कहा कि हमारे संघर्षों का इतिहास दबाया गया है। उनको सामने लाने और समाज को सच्चाई दिखाने तथा बतानें की आवश्यकता है। वहीं समारोह की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक जयशंकर पाण्डेय तथा संचालन कर रहे आजाद सदक ने भी अपनी बात रखी। समारोह का प्रारंभ संस्थान के गीत से किया गया। संस्थान का गीत मदरसे की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। इसके पूर्व मूक–बधिर स्कूल, गुरुकुल तथा यतीमखाना के चयनित छात्रों को शांति सिंह स्मृति सहायता राशि प्रदान की गई।समारोह में मनोहर लाल इंटर कालेज में संपन्न गीता देवी स्मृति निबंध प्रतियोगिता तथा डॉ शैलेश पाण्डेय स्मृति सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम की घोषणा परीक्षा संयोजक वरिष्ठ अध्यापक दान बहादुर सिंह ने किया। प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कार राशि तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सभी छात्रों को मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेविका मेधा पाटकर ने धनराशि और प्रमाण पत्र प्रदान किया।संस्थान द्वारा आयोजित विचार गोष्ठी को कृष्ण प्रताप सिंह, स्वप्निल श्रीवास्तव, डा अनिल सिंह, विशाल श्रीवास्तव, संजय महेन्द्रा, शीतला पाठक, उग्रसेन मिश्रा, मसमूम फैजाबादी, अतुल कुमार सिंह, सुमन गुप्ता, सहित दर्जनों लोगों ने संबोधित किया। संस्थान के उपाध्यक्ष जसवीर सिंह सेठी, कोषाध्यक्ष अब्दुल रहमान भोलू, सेक्रेटरी विश्व प्रताप सिंह अंशू, विकास सोनकर, शिवम् विश्वकर्मा, अनिल मौर्य,राजू खान ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। समारोह का समापन और धन्यवाद भाषण संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्य कांत पाण्डेय ने करते हुए 26 वर्षों से हों रहें आयोजन का विस्तृत वर्णन किया और कहा कि शहीदों के अरमानों को मंजिल तक पहुंचाने के संकल्प के साथ शुरू हुई इस आयोजन को तब तक करते रहना है जब तक क्रांतिकारी विचार नयी पीढ़ी तक नहीं पहुंच जाते। उन्होंने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

राज्यपाल ने ग्रीन आर्मी की महिलाओं व जन समूह को किया सम्बोधित

बालिकाओं की शिक्षा पर बल देते हुए नशामुक्तिव टीवी मुक्तिप्रदेश बनाने का किया आह्वान

मीरजापुर(एजेंसी)। राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जनपद के जंगल मोहाल ग्राम पंचायत में आयोजित भव्य कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि विगत दिनों राजभवन में आयोजित कार्यक्रम ग्रीन आर्मी की महिलाओं के द्वारा का प्रवचन कराया गया था। उन्होंने कहा कि ग्रीन आर्मी की महिलाएं उन्होंने प्रवचन किया गया था जिनके जब्जा को देखते हुए अत्यंत खुशी हैं इस बात की है कि आपने अपने आप को खोजा है। अपने आप में यह पहचान है कि आज मैं क्या हूं जबकि इससे पहले यही लोग सोचते थे कि पति जो करें वही करना चाहिए और हमें वही करना पड़ता था, क्योंकि आय का कोई साधन नहीं था आत्मनिर्भरता न होना दूसरे पर निर्भर होना और इसी वजह से हिम्मत नहीं होती थी। राज्यपाल ने कहा कि मैं स्वंय महिलाओं समाज की मुख्य धारा से जोड़ने, उन्हें शिक्षित करने तथा उनके घर को नशा मुक्ति कराने की दिशा में पिछले 40 वर्ष से कार्य कर रही हूं जिससे बहुत ही नजदीक से इन महिलाओं सुना है देखा तथा अनुभव किया है। इसी वजह से जब भी अवसर मिला तो इस पर अवश्य मंथन किया कि महिलाएं आत्मनिर्भर कैसे बने, इस दिशा में प्रयास किया क्योंकि महिलाओं के पास महीने में हजार रुपया भी आता है तो उनकी हिम्मत बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1998 में मैं सखी मदद नियम शुरू किया 8–10 महिलाएं इकट्ठी होती हैं। उन महिलाओं को इतना कार्य सिखाया की पुरुष जाकर कहने लगे मैडम आप यह क्या कर रही हैं घर पर इनको बहुत काम होता है मेरे द्वारा उन्हें यह बताया गया कि महिलाओं को समाज की मुख्य धारा में ले आए इनकी बातों को सुने तथा अपनी पत्नी का सहयोग करें दोनों साथ में मिलकर परिवार को आगे बढ़ाओ तथा महिलाओं के प्रति हिंसा करना छोड़े। उन्होंने कहा कि जब बच्चों की पढ़ाई की बात मेरे द्वारा की जाती लोगों के द्वारा कहा जाता पैसे नहीं है मैं उन सभी से कहा कि अपनी गंदी आदते यथा नशा करना व कोई अन्य मादक पदार्थ का सेवन करना छोड़कर अनावश्यक खर्च न करके परिवार की देखभाल व उनके शिक्षा पर ध्यान दें। महामहिम ने बताया कि आज ग्रीन आर्मी फाउंडेशन की महिलाओं का अभिनंदन करने के लिए आई हुई हूं क्योंकि इन्हीं लोगों ने यह प्रयास कर शुरू किया के पुरुषों को नशे के शिकार से मुक्त कराने का प्रयास किया जाए और बच्चों की पढ़ाई हो सके इसके लिए इस प्रयास और हमें इसमें सहयोगी बनना है सरकार भी सहयोगी बने सभी अधिकारी सहयोगी बने और उनकी ताकत का उपयोग करें मार्गदर्शन करें तथा समग्र मिर्जापुर जनपद में सबसे पहले यह जनपद बना पूरे भारत का की मिर्जापुर अब नशा मुक्त हो सके है यह यह प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि यह आप सभी की जिम्मेदारी बनती है कि कहीं पर भी कोई मादक पदार्थ बनाया जा रहा है तो अथवा उसकी आपूर्ति की जा रही है तो उसे आप सभी को बंद कराना है और आप सभी को यह अवश्य पता होता है कहीं ना कहीं की कौन कहां पर मादक पदार्थ बना रहा है अथवा उसकी आपूर्ति कर रहा है किंतु हम चुप रहते हैं सभी लोगों से जितना हो सके बस इतना ही करें कि ग्रीन आर्मी को ऐसा करने वालों को सौंप दें और यह उनकी जिम्मेदारी होगी कि उसको बंद कराएंगे, इसके लिए प्रयास होना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि कई परिवार दूर दराज रहते हैं स्कूल नजदीक में नहीं होते है और उन्हें आने जाने में दिक्कत होती कुछ दसवीं कक्षा कुछ कालेज तक ही पहुंच पाते हैं किंतु जहां रहते हैं उसमें किसी को प्रोफेसर बनना है किसी को शिक्षक बनना है किसी को डाक्टर बनना है आत्मनिर्भर बनना है उन्होंने कहा कि परन्तु कम उम्र में ही जब बेटियों का विवाह कर दिया जाता है उनको यह सपना बिखर जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी बेटियों को जिनमें पढ़ने की ललक पढ़ने है और घर 10 किलोमीटर दूर जाना है तथा उन्हें जाने के लिए कोई सुविधा नही होती उनके लिए ग्रीन आर्मी संस्था आगे आकर साइकिले उपलब्धा करा रही हैं। बेटियों में पढ़ने की इच्छा है तो उन्हें अवश्य पढ़ाया पढ़ने के लिए ऐसी कोई सुविधा नहीं थी किंतु फिर भी परिवार की मद्द से 10 किलोमीटर पैदल चलकर जाते थे और उस समय साइकिल भी कही नहीं मिलती थी। उन्होंने बच्चों विशेषकर बालिकाओं को शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि जब किसी कार्य का संकल्प लिया जाता है कि यह कार्य करना है तो बीच में किसी प्रकार की कठिनाई न आकर मंजिल ही प्राप्त होती हैं। उन्होंने कहा कि बेटियां पढ़ने के लिए दूर तक जाने के लिए प्रयास करती है परन्तु पिछड़े क्षेत्रो मे आगे जाने के कोई संशाधन नही हैं, ऐसे छात्राओं को आगे बढ़ाने व सहायता देने के लिए ग्रीन आर्मी फाउंडेशन व होप संस्था बालिकाओं को साइकिल मुहैया कराने के लिए कदम बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि यहां भी होप फाउंडेशन के द्वारा ऐसे पढ़ने वाले छात्रो को साइकिल प्रदान किया गया है।

काफी प्रयास के बाद भी पटरी पर नहीं आ पा रही किसान पोर्टल रजिस्ट्री

-गांव में बैठ कर कैम्प चला रहे सरकारी कर्मियों के पोर्टल भी सर्वर का शिकार

सोहावल–अयोध्या(एजेंसी)। क्षेत्र में काफी प्रयास के बावजूद पी एम किसान सम्मान निधि से जुड़ी किसान रजिस्ट्री का काम पटरी पर नहीं आ पाया है। जन सेवा केंद्र हो या निजी मोबाइल के पोर्टल चल नहीं पा रहे है। शासन से प्रशिक्षित कर गांव–गांव में बैठ कर कैम्प चला रहे सरकारी कर्मियों के पोर्टल भी सर्वर का शिकार है। रजिस्ट्री करण के लिए विकास खण्ड में कृषि विभाग से कुल 4 कर्मचारी नियुक्त है जिनके जिम्मे क्षेत्रीय लेखपाल के साथ मिल कर 62 गांव के किसानों की रजिस्ट्री का जिम्मा है। हाल बेहाल सब परेशान है। अधिकारी कर्मचारी किसान तीनों के पास इसका कोई समाधान अब तक नहीं निकल पाया है। वृहस्पतिवार को विकास के 8 गांव में एक साथ रजिस्ट्रीकरण के लिए सरकारी तंत्र के कर्मी दोपहर तक पहुंचे। आधार खतौनी लिए किसानों ने केंद्र पर आना शुरू किया तो पोर्टल का सर्वर जवाब दे गया। किसी के आधार केवाईसी नहीं मिली तो किसी की खतौनी में नाम पता मैच नहीं हो पाया। पिलखावा के अरकुना में लगे कैम्प में निगरानी कर रहे नायब तहसीलदार शेखर शुक्ला की मौजूदगी में दर्जन भर किसानों की आधार के वाई सी तो हुई लेकिन पोर्टल इससे आगे रजिस्ट्रीकरण के लिए सिग्नल नहीं दे पाया। लेखपाल बाबादीन कृषि विभाग के अरविंद सिंह के प्रतिनिधि बिपिन कुमार शर्मा, रोजगार सेवक सब हालकान रहे। लेकिन कुछ कर नहीं पाए।टेक्नीशियन अरविंद सिंह ने बताया कि मेरे सहित शिव कुमार गुप्ता, दीपक कुमार, सत्येंद्र यादव कुल चार लोगों के जिम्मे पूरे विकास खंड की जिम्मेदारी दी गई है। एक दिन में दो गांव के कैंप में पहुंच रहा हूं लेकिन सर्वर साथ नहीं दे रहा है। एडीओ एजी रंजीत त्रिपाठी के अनुसार 14 वीं किश्त तक पंजी कृत किसानों की संख्या लगभग 32 हजार से ज्यादा थी। जो अब बढ़ चुकी है। कुछ फीसदी किसानों का ही रजिस्ट्रेशन अब तक हो पाया है। जिला कृषि अधिकारी ओ पी मिश्रा ने बताया कि सर्वर की समस्या है। पोर्टल को आज कुछ अपग्रेड किया गया है। अन्तिम तारीख भी अभी आगे बढ़ाए जाने की संभावना है।लेकिन हम तय समय में ही कर्मचारियों और कैम्पों की संख्या बढ़ाकर रजिस्ट्रेशन सम्पन्न कराने का प्रयास किया जा रहा है।

जंगलों के रास्ते हो रही थी गौ-तस्करी, पुलिस की नजर पड़ी तो 60 गोवंश हुए बरामद

मीरजापुर(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश का जंगलों पहाड़ों से आच्छादित मिर्जापुर जिला अपराधियों से लगाएं गौ–तस्करों के लिए भी मुफीद हो चला है. इस बात का खुलासा एक बार फिर तब हुआ है जब मिर्जापुर जिले की मड़िहान थाना पुलिस ने शातिर गो–तस्कर को गिरफ्तार करते हुए जंगल के रास्ते क्रूरता पूर्वक वध के लिए ले जाए जा रहे 60 गोवंशों को बरामद कर लिया है। बताया जा रहा है कि मड़िहान थाना पुलिस की टीम ने जंगल के रास्ते वध के लिए ले जाए जा रहे 60 गोवंशों को बरामद करते हुए एक शातिर गो–तस्कर को भी गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक मड़िहान थाना के वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेश सिंह मय पुलिस टीम देखभाल थाना क्षेत्र में भ्रमणशील थे, इसी दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के ग्राम दाती नहर पटरी जंगल वहद के रास्ते तस्करों द्वारा कुछ राशि गौवंश को मारते–पीटते हुए वध के लिए बिहार ले जा रहें हैं कि सूचना दी गई. सूचना के आधार पर थाना मड़िहान पुलिस द्वारा दबिश देते हुए शातिर गो–तस्कर चन्द्रशेखर सरोज पुत्र जगदम्बा सरोज निवासी परवा राजधर गुरसण्डी थाना कोतवाली देहात, मिर्जापुर को गिरफ्तार कर मौके से वध के लिए ले जाये जा रहे कुल 60 राशि गोवंशों को बरामद किया गया. गौ तस्कर की गिरफ्तारी व गौवंशों की बरामदगी के सम्बन्ध में थाना मड़िहान पर मुअसं– 243ध2024 धारा 3ध5।ध8 गोवध अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार गौ तस्कर को जेल भेजा गया है.पुलिस के मुताबिक जंगल से कुल 60 राशि गोवंश जिनमें 36 बैल, 19 गाय ,03 बछड़ा व 02 बछिया को बरामद किया गया है. पुलिस की मानें तो पकड़े गए गौ तस्कर पर पहले भी देहात कोतवाली में मुकदमें दर्ज किए गए हैं

“कहना न होगा कि शरद पवार और ममता बनर्जी ने अपने अपने राज्यों में कॉंग्रेस को ही तोड़कर अपनी सियासत चमकाई है। हालांकि, उनके मिशन को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का साथ मिलने से शरद पवार का पलड़ा भारी हो गया।”

क्या इंडिया गठबंधन के सियासी चक्रव्यूह में घिर जाएंगे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी? समझिए विस्तार से

देश–दुनिया में हर रोज एक महाभारत शुरू होता है जो महज 18 दिन नहीं, बल्कि महिनों–सालों चलता रहता है। दरअसल यह एक राजसी प्रवृत्ति है जो यत्र–तत्र–सर्वत्र अपनी इहलीला प्रदर्शित करती रहती है। यह कभी किसी के अंतरतम में चलता है तो कभी सियासी जगत में। कभी आर्थिक जगत के कार्पोरेट्स वार के रूप में, तो कभी सामाजिक क्षेत्र के जातीय अंतर्द्वंद्व युद्ध में। कभी सांस्कृतिक क्षेत्र के साम्प्रदायिक रणभूमि में तो कभी अंतर्राष्ट्रीय फलक पर खुले जंग के रूप में। कमोबेश हर जगह युद्ध जीतने वालों को गुटबंदी की जरूरत पड़ती है और इस हेतु प्रायोजित चक्रब्युह हेतु किसी न किसी अभिमन्यु की तलाश रहती है। यूँ तो भारतीय राजनीति में एक नहीं, अनेक अभिमन्यु हैं लेकिन यहां पर कांग्रेस युवराज और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के समक्ष समुपस्थित राजनीतिक परिस्थितियों की बात करना अधिक प्रासंगिक है। क्योंकि 10 वर्षों के अथक परिश्रम के बाद लोकसभा चुनाव 2024 में अपने कुशल नेतृत्व का डंका पिटवाने वाले राहुल गांधी आखिर हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जैसी जीती हुई बाजी हारकर अपने ही गठबंधन सहयोगियों के आंखों की किरकिरी कैसे बन गए?क्या सिर्फ इसलिए कि भाजपा के रणनीतिकारों के इशारे पर कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन है जिसमें अधिकांश सूबाई क्षत्रप शामिल हैं? क्योंकि यही वह सफल गठबंधन है जिसने उसकी सारी सियासी हेकड़ी लोकसभा चुनाव 2024 में तोड़ कर रख दी और उसके सामने गठबंधन की मजबूरी खड़ी कर दी। वहीं, यूपी में उसके मोदी–योगी जैसे नेतृत्व के माथे पर चिंता की शिकन पैदा कर दी। या फिर शरद पवार और लालू प्रसाद की राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी नहीं हुई, जबकि ममता बनर्जी अपने मिशन में कामयाब रहीं। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस दोनों को उनकी सियासी हद में रखा। या फिर समाजवादी पार्टी के मुखिया और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इशारे पर कांग्रेस युवराज राहुल गांधी नहीं थिरक रहे हैं, इसलिए। क्योंकि शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे कांग्रेस के स्वाभाविक सहयोगी नहीं हैं। हालिया महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उन्हें कमतर बताने में कांग्रेस सफल रही और महाराष्ट्र के सियासी नक्शे से मिट गई। इसी प्रकार कांग्रेस ने दिल्ली से पंजाब तक आप को सिमटने पर विवश कर दिया और अखिलेश की सपा को भी यह जतला दिया कि सिर्फ यूपी में रहें, मध्यप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र में उसके कंधे पर सवार होकर आगे बढ़ने का स्वप्न न पालें। यही वजह है कि ये सभी नेता कांग्रेस से नाराज हैं और तीसरे मोर्चे को पुनः खाद पानी देने की सियासी चाल चल रहे हैं।यही वजह है कि हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन में नेतृत्व के सवाल पर कांग्रेस नेतृत्व को नीचा दिखाने की तिकड़म जो तिकड़मी सियासत शुरू हुई और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद जैसे नेताओं ने भी कांग्रेस से पाला बदलने में हड़बड़ाहट दिखाई, उससे तो यही महसूस हुआ कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार जैसे सियासी धुरंधर अपने मकसद में कामयाब हो गए। तभी तो कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव व लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी जैसे राष्ट्रीय चेहरों के रहते हुए भी इंडिया गठबंधन के नए अध्यक्ष के रूप में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेत्री और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम उछाला गया। कहना न होगा कि शरद पवार और ममता बनर्जी ने अपने अपने राज्यों में कॉंग्रेस को ही तोड़कर अपनी सियासत चमकाई है। हालांकि, उनके मिशन को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का साथ मिलने से शरद पवार का पलड़ा भारी हो गया। कहने का मतलब यह कि महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार ने यह संकेत दे दिया कि उसे मजबूत कांग्रेस की नहीं, कमजोर कांग्रेस की जरूरत है, जो उनके इशारे पर थिरकती रहे। इधर, दिल्ली और उत्तरप्रदेश में भी कांग्रेस को कमजोर ठहराने के लिए दिल्ली में एक मंच पर अखिलेश और केजरीवाल ने हाथ मिला लिया है। इससे पहले राजद नेता व बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का साथ केजरीवाल ले ही चुके हैं। बिहार के मुख्यमंत्री व जदयू नेता नीतीश कुमार भले ही पुनः एनडीए गठबंधन में हैं लेकिन केजरीवाल से उनके मधुर सम्बन्ध जगजाहिर हैं। एनडीए विरोधी इंडिया गठबंधन खड़ा करने में नीतीश के योगदान को नहीं भुला सकता है और यदि उन्हें गठबंधन का संयोजक बना दिया गया होता तो आज वो इंडिया गठबंधन में ही होते।वहीं, ईवीएम के दुरूपयोग के सवाल पर जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री व नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को जो आईना दिखाया है, उससे साफ है कि अपने अपने तरीके से इंडिया गठबंधन के सहयोगी राहुल गांधी को घेर रहे हैं, ताकि कांग्रेस दबाव में रहे और यदि कभी पुनः तीसरे मोर्चा बने तो उनके लिये भी रास्ता खुला रहे। क्योंकि भाजपा नीत एनडीए के विरोध में बना इंडिया गठबंधन या संभावित तीसरा मोर्चा कोई मजबूत गठबंधन नहीं है क्योंकि यूपी बिहार में यह महागठबंधन तो महाराष्ट्र में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी बन जाता है। इससे पहले इसे यूपीए समझा जाता था। इसलिए मेरा मानना है कि भाजपा या कांग्रेस विरोधी सियासत के लिए तीसरा मोर्चा सबसे उपयुक्त नाम है, जो पूरे देश में एक समझा जाता है।अपने देखा होगा कि आम आदमी पार्टी ने हाल ही में दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में श्महिला अदालतश का आयोजन किया। जिसमें एसपी प्रमुख अखिलेश यादव ने अरविंद केजरीवाल के साथ मंच साझा करते हुए बीजेपी पर जमकर हमला बोला और आप को बिना शर्त समर्थन देते हुए कहा कि यहां पर सपा अपना कोई उमीदवार खड़ा नहीं करेगी। ऐसा कहकर उन्होंने कांग्रेस पर मनोवैज्ञानिक दबाव बढ़ा दिया कि यदि वह भाजपा विरोधी और अल्पसंख्यक समर्थक राजनीति करती है तो दिल्ली में सभी सीटों पर अपना उमीदवार नहीं दे।

वहीं, अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि जब दिल्ली में घटनाएं हो रही है, तो कल्पना कीजिए पूरे देश मे क्या हो रहा होगा। क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने सिर्फ इतना कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बस एक बार कह दें कि उनसे दिल्ली की कानून व्यवस्था नहीं संभल रही है। हालांकि वह यह नहीं कह पाए कि फिर हम सम्भाल लेंगे। पुलिस मुझे दे दीजिए!इससे साफ है कि दिल्ली चुनाव में अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल के साथ होंगे और ऐसा करके उन्होंने कांग्रेस को एक बार फिर से ठेंगा दिखाया है। इससे पहले उन्होंने यूपी उपचुनाव में कॉंग्रेस को एक भी सीट सिर्फ इसलिए नहीं दिया था, क्योंकि मध्यप्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस ने उनकी पार्टी सपा को सीट नहीं दी और महाराष्ट्र में भी कम दी। यही वह है कि यूपी के दो लड़कों की जोड़ी यानी राहुल–अखिलेश के नेतृत्व वाली कांग्रेस व समाजवादी पार्टी के बीच तल्खियां कम होती नहीं दिख रही हैं। अब जिस तरह से सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल को समर्थन देने का ऐलान किया है, उसके सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।दिल्ली में अखिलेश यादव ने न केवल अरविंद केजरीवाल की तारीफ में जमकर कसीदे पढ़े बल्कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को पूर्ण समर्थन देने की बात भी कही। ऐसे में सियासी गलियारों में राहुल गांधी से नाराजगी और केजरीवाल से नजदीकी को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। अखिलेश यादव ने अरविंद केजरीवाल की तारीफ करते हुए कहा कि जिस पार्टी को माताओं और बहनों का साथ मिल जाए, वो पार्टी कभी हार नहीं सकती है। आप सरकार ने महिलाओं को 2,100 रुपये हर महीने देने का जो वादा किया है, वह काफी सराहनीय पहल है। उन्होंने आम आदमी पार्टी को पूर्ण समर्थन देने की बात भी कही। साथ ही कहा कि सपा पूरी जिम्मेदारी के साथ आप के साथ खड़ी है. जहां भी जरूरत होगी हम आपके साथ दिखाई देंगे।सपा प्रमुख के दिल्ली चुनाव में अरविंद केजरीवाल का खुलकर समर्थन करने के पीछे सियासी रणनीति और हालिया राजनीतिक घटनाक्रम भी माने जा रहे हैं।

समाजवादी पार्टी ने हाल ही में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी गठबंधन से अलग होने का ऐलान किया। जबकि सपा महासचिव रामगोपाल यादव भी कह चुके हैं कि राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के नेता नहीं हैं। दिल्ली में केजरीवाल ने कांग्रेस से गठबंधन नहीं करने और अकेले चुनाव का ऐलान किया है, जिससके बाद अखिलेश यादव ने मंच से आप सरकार की तारीफ में कसीदे पढ़े। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि सपा भी अब कांग्रेस से किनारा करती दिख रही है।

कांग्रेस से सियासी खटास की प्रमुख वजह सीट बंटवारे को लेकर खींचतान मानी जा रही है। मध्यप्रदेश से लेकर हरियाणा में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी। वहीं, महाराष्ट्र में भी आखिरी वक्त में सपा को दो सीटें ही दी गईं। इस प्रकार इंडिया गठबंधन में साइडलाइन होने के चलते अखिलेश यादव नाराज दिखे। क्योंकि वह लोकसभा में तीसरी बड़ी राजनीतिक हैसियत रखते हैं ।

सम्पादकीय

अडानी पर आरोप डीप स्टेट की साजिश का प्रोपेगेंडा

भारत पूंजीवाद का नया इतिहास रच रहा है! भारत मानों गौतम अडानी का गिरवी हो गया है! यदि अडानी ग्रुप का कोई भी भंडा फूटे तो वह दुश्मन के श्डीप स्टेट्य की साजिश है!उसकी बात करना, उस पर संसद में बहस चाहना विपक्ष का देशद्रोह है। भारत को अस्थिर बनाना है। सीधे प्रधानमंत्री पर हमला है! सत्ता और सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ साजिश है!

दुनिया की नंबर एक महाशक्ति अमेरिका के श्डीप स्टेट्य का भारत पर हमला है! इसलिए हम अमेरिका को एक्सपोज करेंगे। अमेरिका से लड़ेंगे।

विपक्ष की बोलती बंद करेंगे। विपक्ष, नेता विपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी और उस नेहरू–गांधी परिवार को देशद्रोही करार देंगे, जिसने देश को पचास साल चलाया।यह परिवार अमेरिका, उसकी संस्थाओं, उसकी श्डीप स्टेट्य का पिट्ठू है। ये भारत के जगत सेठ गौतम अडानी के खिलाफ इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि इसने अमेरिका और दुनिया के खरबपति पूंजीपतियों को पछाड़ा है।वे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व–कृतित्व की उस इकलौती उपलब्धि, 140 करोड़ भारतवासियों की आन–बान–शान के विरोधी हैं, जबकि वह सवा सौ करोड़ भूखों के फ्री लंगर की शान है।

देश–दुनिया में मोदीजी की आन है, जिससे भारत सोने की चिडिया बना है। दुनिया में, पूंजीवाद के इतिहास का ऐसा कोई उदाहरण नहीं है जो अडानी का है।इतिहास में नए पुराने जितने खरबपति–अरबपति हुए हैं उनमें आज तक ऐसा एक भी पूंजीपति नहीं हुआ है जिस पर गोलमाल के आरोप लगे और वह राष्ट्र का गौरव बने!उसकी रक्षा के लिए राष्ट्र, सरकार, संसद सब कुरबान हो तथा विपक्ष या विरोधी भ्रष्टाचार का शोर करें तो ससंद में बहस न हो। उलटे विपक्ष को विदेश का पिट्ठू करार दिया जाए।

मीडिया खबरें न छापे। और अडानी के लिए सरकार, उसके चेहरे सब वैसी ही जनसंपर्क, लॉबी की भूमिका में हों जैसे कभी धीरूभाई अंबानी के लिए दिल्ली में बालू और टोनी किया करते थे।अंबानी पर भी कई बार बवाल हुए। लेकिन मुझे ध्यान नहीं है कि इंदिरा गांधी, प्रणब मुखर्जी या किसी भी सरकार ने धीरूभाई अंबानी को भारत की आन–बान–शान करार दे कर उनके खिलाफ अमेरिका की श्डीप स्टेट्य या सीआईए की साजिश बताई हो।या संसद में बहस नहीं होने दी हो। या वाणिज्य, वित्त आदि की किसी भी भूमिका में प्रणब मुखर्जी ने रिलायंस का बचाव किया हो।इसलिए समकालीन इतिहास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने अडानी के लिए देश के विपक्ष, राहुल गांधी–सोनिया गांधी, अमेरिका, श्डीप स्टेट्य आदि पर हमले का जो कर्म किया है वह न केवल पूंजीवाद और आजाद भारत के इतिहास की अनहोनी है, बल्कि यह सवाल भी बनाते हुए है कि अडानी पर हल्ला क्या मोदी सरकार की अस्थिरता है?ऐसा कैसे है कि गली–गली में शोर अडानी का है और घबराई हुई सरकार है! इतना ही नहीं भाजपा और उसके प्रवक्ता सब अडानी के कारतूस बने हुए हैं!यदि अमेरिकी श्डीप स्टेट्य, अस्थिरता की साजिश, राहुल–सोनिया देशद्रोही, वित्तीय गोलमाल जैसी बातें हैं तो इसके लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस विदेश मंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री या राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैसों को करनी चाहिए या नहीं?

अडानी ग्रुप न भाजपा सदस्य है और न आरएसएस का स्वंयसेवक है।

और यदि वह चंदा या गुरू दक्षिणा देता भी हो तब भी वैश्विक बदनामी (याद करें और उन रिपोर्टों को पढ़ें, जिनमें अडानी के ठेके को रद्द करते हुए केन्या की संसद ने कैसी तालियां बजाईं तथा लोगों ने भारतीयों पर कैसी टिप्पणियां कीं) की हकीकत में संघ परिवार उसके लिए क्योंकर लाठी ले कर खड़ा होगा? चाल, चेहरे, चरित्र का कोई लोकलाज नहीं?

सोचें, अडानी, हिंडनबर्ग रिपोर्ट, हेज फंड मैनेजर 92 वर्षीय सोरोस की तुकबंदी से भाजपा कह रही है कि सबके पीछे उद्देश्य मोदी सरकार को अस्थिर करना है।कांग्रेस नेतृत्व (राहुल गांधी, सोनिया गांधी) देश और अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस के पेरोल पर हैं। भारत के खिलाफ गतिविधियों में अमेरिका के डीप स्टेट का हाथ है।

ऐसी कथित भयावह साजिश के बावजूद सरकार से अधिकृत या विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का एक शब्द नहीं बोलना।अडानी पर आरोप और सीधे अमेरिका की श्डीप स्टेट्य की साजिश का प्रोपेगेंडा! जबकि हाल में अमेरिकी अदालत ने खालिस्तानी पन्नू की हत्या की साजिश में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, पूर्व रॉ चीफ, रॉ एजेंट व एक कारोबारी को समन जारी किया मगर तब तो सरकार और भाजपा ने एक शब्द इनके बचाव में नहीं बोला।तब अमेरिकी श्डीप साजिशय का हल्ला नहीं था।

भारतीय युवाओं में बढ़ रही व्यसन की प्रवृति को रोकना जरूरी

प्रह्लाद सबनानी ।

आज भारत के विभिन्न कस्बों, नगरों, विशेष रूप से महानगरों में, कम उम्र के नागरिकों के बीच व्यसन की समस्या विकराल रूप धारण करती हुई दिखाई दे रही है। देश के कुछ भागों में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थी भी नशे की लत का शिकार हो रहे हैं। भारत का युवा यदि गलत दिशा में जा रहा है तो यह भारत के भविष्य के लिए अत्यधिक चिन्ता का विषय है। देश के पंजाब राज्य में तो हालात बहुत खराब स्थिति में पहुंच गए है एवं वहां ग्रामीण इलाकों में भी युवा विभिन्न प्रकार के व्यसनों में लिप्त पाए जा रहे हैं। नशे के सेवन से न केवल स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है बल्कि मानसिक तौर पर भी युवा वर्ग विक्षिप्त अवस्था में पहुंच जाता है। मेडिकल साइन्स के नुसार, ड्रग्स के लंबे समय तक सेवन से लिवर, फेफड़े, हृदय और मस्तिष्क को नुकसान पहुंचता है। ड्रग्स का सेवन इम्यून सिस्टम को कमजोर करता है, जिससे व्यक्ति आसानी से बीमार पड़ सकता है। अत्यधिक मात्रा में ड्रग्स लेने से व्यक्ति कोमा में जा सकता है या मृत्यु भी हो सकती है। इसी प्रकार ड्रग्स के सेवन से डिप्रेशन, एंग्जायटी, और सिजोफ्रेनिया जैसी मानसिक बीमारियों को बढ़ावा मिलता है। ड्रग्स लेने वाले व्यक्ति को चूंकि इनकी लत लग जाती है अतः वह व्यक्ति मानसिक और भावनात्मक रूप से ड्रग्स पर निर्भर हो जाता है।ड्रग्स के आदी व्यक्ति का व्यवहार भी आक्रामक हो जाता है, जिसके कारण परिवार में तनाव और झगड़े बढ़ जाते हैं। ड्रग्स पर पैसा खर्च करने से व्यक्ति और उसके परिवार की आर्थिक स्थिति भी डावांडोल होने लगती है। ड्रग्स को खरीदने के लिए धन की आवश्यकता पड़ती है, यदि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी हो और युवाओं को परिवार से धन की प्राप्ति नहीं होती है तो ड्रग्स की लत के कारण युवा चोरी, लूटपाट या अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं। यह स्थिति भारत के लिए ठीक नहीं कही जा सकती है क्योंकि एक तो उस युवा का देश के विकास में योगदान लगभग शून्य हो जाता है, दूसरे, वह व्यक्ति अपने परिवार एवं समाज पर बोझ बन जाता है। हम अक्सर मदिरापान और धूम्रपान की स्थिति में कैंसर का डर दिखाकर तम्बाकू निषेध को लक्षित करते हैं। जबकि व्यसनों के कई प्रकार हैं। ड्रग्स के विभिन्न प्रकार और उनके प्रभावों को समझना जरूरी है ताकि इसके दुरुपयोग से बचा जा सके। ड्रग्स से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में जागरूकता फैलाकर ही एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण किया जा सकता है। आज देश में ड्रग्स की उपलब्धता बहुत आसान हो गई है। कई अंतरराष्ट्रीय गिरोह भारतीय युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेकर कई प्रकार के ड्रग्स आसानी से उपलब्ध कराते हैं और उन्हें इनका आदी बना देते हैं। ड्रग्स के भी कई प्रकार हैं। जैसे, (1) डिप्रेसेंट्स (क्मचतमेंदजे)रू इस श्रेणी में अल्कोहल, बार्बिटुरेट्स, बेंजोडायजेपाइन आदि को शामिल किया जाता है। इस प्रकार के ड्रग्स मस्तिष्क की गतिविधि को धीमा कर देते हैं, जिससे व्यक्ति को शांति या सुकून महसूस होता है। लेकिन, अधिक मात्रा में लेने से यह सांस की तकलीफ, बेहोशी और मृत्यु का कारण बन सकते हैं। (2) स्टिमुलेंट्स (ैजपउनसंदजे)रू इस श्रेणी में कोकीन, मेथामफेटामिन, कैफीन आदि को शामिल किया जाता है। यह ड्रग्स मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र की गतिविधि को बढ़ाते हैं, जिससे चुस्ती और ऊर्जा बढ़ती है। इसके अधिक सेवन से दिल की धड़कन तेज होना, हाई ब्लड प्रेशर, और घबराहट जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। (3) ओपिओइड्स (व्चपवपके)रू हेरोइन, मॉर्फिन, कोडीन आदि को इस श्रेणी में शामिल किया जाता है। इस प्रकार के ड्रग्स दर्द निवारक दवाएं हैं, लेकिन नशे के रूप में इनका दुरुपयोग किया जाता है। ओपिओइड्स का अधिक सेवन श्वसन तंत्र को धीमा कर देता है, जिससे व्यक्ति कोमा या मृत्यु का शिकार हो सकता है। (4) साइकेडेलिक्स (च्लबीमकमसपबे)रू एलएसडी, साइलोसाइबिन (मशरूम), डीएमटी आदि ड्रग्स इस श्रेणी में शामिल किए जाते हैं एवं इस प्रकार के ड्रग्स व्यक्ति की धारणा, विचार और मूड को बदल देते हैं। यह मतिभ्रम (ींससनबपदंजपवदे) पैदा कर सकते हैं। (5) इनहेलेंट्स (प्दींसंदजे)रू पेट्रोल, गोंद, स्प्रे पेंट आदि को इस श्रेणी में शामिल किया जाता है। इन पदार्थों को सूंघकर नशा किया जाता है। यह मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं। (6) कैनाबिनोइड्स (ब्ददंइपदवपके)रू गांजा, भांग, हशीश आदि को इस श्रेणी के ड्रग्स में शामिल किया जाता है। इस प्रकार के ड्रग्स सुखद अनुभव कराते हैं, लेकिन अधिक मात्रा में लेने से मनोवैज्ञानिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

कुल मिलाकर देश में ड्रग्स की समस्या विकराल रूप धारण करती दिखाई दे रही है एवं इसने विशेष रूप से युवाओं को अपने आगोश में लेना शुरू कर दिया है। दरअसल युवा, फिल्मों आदि को देखकर इसके सेवन को उचित मानने लगता है एवं इसके सेवन से समाज में उच्च स्थान प्राप्त करने का प्रयास करता है। उसे लगता है कि उच्च सोसायटी में नशे का सेवन करना जैसे आम बात है। परंतु, नशे से होने वाले नुक्सान से सर्वथा अनभिज्ञ रहता है। इसलिए विशेष रूप से युवाओं को नशे की लत से छुड़ाना अति आवश्यक है। हालांकि, हाल ही के समय में नशे की समस्याओं से युवा किस प्रकार परेशानी का सामना करता है जैसे विषयों को लेकर कई फिल्में भी बनाई गई हैं, इन्हें देखकर युवाओं में जागरूकता पैदा की जा सकती है। उड़ता पंजाब (2016), इस फिल्म में पंजाब में ड्रग्स की समस्या और उससे जूझते युवाओं की कहानी है। संजू (2018), इस फिल्म में युवाओं में ड्रग्स की लत और उससे बाहर निकलने की कहानी को दिखाया गया है। फैशन (2008), इस फिल्म में एक मॉडल को दिखाया गया है, जो शोहरत की दुनिया में ड्रग्स की लत का शिकार हो जाती है। डरना जरुरी है (2006), इस फिल्म की कहानी एक विशेष ड्रग एडिक्शन पर केंद्रित है। तमाशा (2015), इस फिल्म में नशे और आत्म–खोज की चुनौती को दर्शाया गया है। इसी प्रकार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कुछ फिल्मे बनाई गईं है। त्मुनपमउ वित ्क्तमंउ (2000), इस फिल्म में ड्रग्स की लत और उसके विनाशकारी प्रभावों को बहुत ही गहराई से दिखाया गया है। ज्तंपदेचवजजपदह (1996), इस फिल्म में हेरोइन की लत से जूझते युवाओं की कहानी दिखाई गई है और इसमें नशे की भयावहता को दिखाया गया है ठमंनजपनिस ठवल (2018), इस फिल्म में एक पिता और उसके बेटे की कहानी दिखाई गई है, जिसमें बेटा नशे की लत से जूझ रहा है। जीम ठेंमजइंसस क्पं. तपमे (1995), इस फिल्म में एक किशोर की कहानी दिखाई गई है, जो नशे की लत में फंस जाता है और उसका जीवन बर्बाद हो जाता है। ।ेंजंत ै ठवतद (2018), इस फिल्म में ड्रग्स और शराब की लत से जूझते युवा को दिखाया गया है, जिससे उसके करियर और रिश्तों पर असर पड़ता है।आज का युवा चूंकि फिल्मों की ओर अधिक आकर्षित होता है अतः व्यसनों से छुटकारा पाने के सम्बंध में बनाई गई फिल्मों का वर्णन किया गया है। परंतु, युवाओं को नशामुक्त करने की दृष्टि से विभिन्न संगठनों द्वारा जागरूकता अभियान चलाना आज आवश्यक हो गया है। सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक केंद्रों पर व्यसन के दुष्प्रभावों पर आधारित जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। फिल्म फेस्टिवल, नुक्कड़ नाटक, सेमिनार, और सोशल मीडिया का उपयोग कर व्यसनों के नुकसान के बारे में युवाओं को जानकारी दी जा सकती है। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए जिससे छात्रों को छोटी उम्र से ही व्यसनों के खतरों के बारे में शिक्षित किया जा सके। नशे से संबंधित गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर इतनी सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए कि वह समाज के सामने उदाहरण बने। अवैध शराब और नशीले पदार्थों की बिक्री पर निगरानी बढ़ाई जानी चाहिए एवं दोषियों पर कठोर दंड लागू किया जाना चाहिए। विभिन्न कस्बों एवं नगरों में स्थानीय स्तर पर कार्य कर रहे छळव्े और समुदाय आधारित संगठनों को नशमुक्ति अभियान में शामिल किया जाना चाहिए। यह संगठन व्यसन पीड़ितों की पहचान कर उन्हें उचित सहायता और मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं। परिवारों को व्यसन से बचाव और इसके लक्षणों की पहचान करने के तरीकों पर शिक्षित किया जाना चाहिए। इसके लिए माता–पिता को उनके बच्चों के व्यवहार पर ध्यान देने और संवाद बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।व्यसन मुक्त भारत बनाने के लिए युवाओं को खेल, संगीत, नृत्य, और अन्य सृजनात्मक गतिविधियों में शामिल किया जाना चाहिए। इससे वे सकारात्मक कार्यों में व्यस्त रहेंगे और व्यसन से दूर रहेंगे। युवाओं को कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से रोजगार के अवसर दिए जाने चाहिए ताकि उन्हें सकारात्मक दिशा मिले और वे व्यसन से दूर रहें। लाइव खेल ऑनलाइन देखेंराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है एवं विजयादशमी 2025 को 100 वर्ष का महान पर्व सम्पन्न होगा। संघ के स्वयंसेवक समाज में अपने विभिन्न सेवा कार्यों को समाज को साथ लेकर ही सम्पन्न करते रहे हैं। अतः इस शुभ अवसर पर, भारत के प्रत्येक जिले को, अपने स्थानीय स्तर पर समाज को विपरीत रूप से प्रभावित करती, समस्या को चिन्हित कर उसका निदान विजयादशमी 2025 तक करने का संकल्प लेकर उस समस्या को अभी से हल करने के प्रयास प्रारम्भ किए जा सकते हैं। किसी भी बड़ी समस्या को हल करने में यदि पूरा समाज ही जुड़ जाता है तो समस्या कितनी भी बड़ी एवं गम्भीर क्यों न हो, उसका समय पर निदान सम्भव हो सकता है। अतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, एक सांस्कृतिक संगठन होने के नाते, समाज को साथ लेकर भारत को व्यसन मुक्त बनाने हेतु लगातार प्रयास कर रहा है। इसी प्रकार, अन्य धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों को भी आगे आकर विभिन्न नगरों में इस प्रकार के अभियान चलाना चाहिए।

बेरोजगार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़

nश भर में शातिर किस्म के धंधेबाजों द्वारा फर्जी काल सेंटर का संचालन कर न सिर्फ देश विदेश के लोगों के साथ ठगी की जा रही है। वरन हर साल हजारों की संख्या में बेरोजगार युवाओं की मजबूरी का फायदा उठाकर उन्हें धोखा देकर या नौकरी का लालच देकर इस अवैध धंधे में लगा दिया जाता है। दरअसल तकनीकी सहायता देने, नौकरी आदि दिलवाने के नाम पर फर्जी मैसेज और लिंक भेज कर लोगों को फर्जी कॉल सेंटरों के माध्यम से ठगने वाले गिरोह देश में तेजी से बढ़ रहे हैं, यह धंधा कितने बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है, इसका प्रमाण पिछले छह महीने में अनेक राज्यों के शहरों में धरपकड़ के बाद सामने आए फर्जी काल सेंटरों के खुलासे से चलता है।

18 दिसंबर को दक्षिण कोलकाता के न्यू अलीपुर इलाके में फर्जी कॉल सेंटर खोल कर अमेरिकी नागरिकों को फोन कर उनसे मोटी रकम ठगने के मामले में लालबाजार के साइबर क्राइम विभाग की टीम ने पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों के नाम अनुराग गुप्ता, मोहम्मद सद्दाम, हरि छेत्री, मोहम्मद मिराज और वसीम रब्बानी बताये गये हैं। ये सभी तपसिया, इकबालपुर और हरिदेवपुर इलाके के निवासी बताये गये हैं। इनके कब्जे से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किये गये हैं। कोलकाता पुलिस के संयुक्त आयुक्त (ट्रैफिक) अतिरिक्त प्रभार (क्राइम) रूपेश कुमार ने बताया कि इससे पहले पुलिस ने न्यू अलीपुर इलाके में एक अवैध कॉल सेंटर में रेड कर गिरोह के 19 सदस्यों को गिरफ्तार किया था। उनसे पूछताछ के बाद इस गिरोह का पता चला। न्यू अलीपुर इलाके में स्थित ब्लॉक एफ में पुलिस ने एक कमरे में छापामारी कर संगेहाथों गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये आरोपियों ने बताया कि वे लोग खुद को नामी एंटी वायरस कंपनी का प्रतिनिधि बताकर अमेरिकी नागरिकों को फोन करते थे। इसके बाद इनके झांसे में फंसने वाले विदेशी नागरिकों को अपनी बातों में फंसा कर एंटी वायरस सॉफ्टवेयर अपडेट करने के नाम पर उनके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को हैक कर लेते थे। इसके बाद इसे फिर से सामान्य करने के एवज में मोटी रकम वसूलते थे। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। आपको बता दें कि 8 अगस्त को राजपुर (उत्तराखंड) पुलिस ने विदेशी नागरिकों को ठगने वाले एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश करके 8 लोगों को गिरफ्तार किया जो स्वयं को इंटरनैशनल एंटी हैकिंग डिपार्टमेंट के वरिष्ठ अधिकारी बताकर अमरीका और कनाडा के नागरिकों से ठगी कर रहे थे। छापे के दौरान इनसे 81 लैपटॉप और 42 मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। 25 अगस्त को साइबर पुलिस ने सोहना (हरियाणा) में 2 फ्लैटों से चलाए जा रहे फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करके तकनीकी सहायता देने के नाम पर मुख्यतः विदेशी नागरिकों को ठगी का शिकार बनाने के आरोप में 4 महिलाओं सहित 20 लोगों को गिरफ्तार करके वहां से 16 लैपटॉप, 25 मोबाइल फोन और हजारों रुपए की नकद राशि बरामद की।8 सितम्बर को नोएडा पुलिस ने लोगों को कनाडा और सर्बिया समेत विभिन्न देशों में भेजने और नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश करके 6 महिलाओं सहित 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया जो अब तक 300 से अधिक लोगों को ठग चुके हैं। पुलिस ने वहां से 24 लैपटॉप, स्वाइप मशीन, 10 मोबाइल फोन तथा अन्य सामान बरामद किया। गिरोह के सदस्य फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि से विदेश जाने के इच्छुकों का डाटा निकाल कर फोन कॉल तथा व्हाट्सएप के जरिए उनसे सम्पर्क करते और विदेश में स्टोर कीपर, स्टोर सुपरवाइजर, एडमिन आदि पदों पर नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगते थे। 4 अक्तूबर को जयपुर पुलिस ने स्मार्ट डिजीटल सेवा केंद्र की आड़ में चलाए जा रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। ये जालसाज फोन करके लोगों को मित्र केंद्र या आधार कार्ड फ्रैंचाइजी देने का झांसा देते और उसके बदले में उनसे भारी–भरकम रकमें वसूल करते थे। 16 अक्तूबर को भुवनेश्वर (ओडिशा) के सुंदरपाड़ा इलाके में पुलिस ने विदेश में रहने वाले एक पीड़ित की शिकायत पर एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करके 6 लोगों को हिरासत में लिया। 19 अक्तूबर को लखनऊ के पी.जी.आई. थाना इलाके के एक फ्लैट में चल रहे फर्जी इंटरनैशनल कॉल सेंटर का कमिश्नरेट पुलिस ने भंडाफोड़ करके 12 लोगों को गिरफ्तार किया।

जिला जज, डीएम व एसपी ने संयुक्त रूप से जिला कारागार देवरिया का किया निरीक्षण

कुशीनगर, । जनपद न्यायाधीश कुशीनगर सुशील कुमार शशि, जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज, चीफ ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट कविता सिंह, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से देवरिया जेल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर के विभिन्न बैरको में जाकर सभी उच्चाधिकारियों ने कुशीनगर जनपद के कैदियों से मुलाकात की तथा उनसे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी। उनकी स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इसी क्रम में बैरकों, पाकशाला, चिकित्सालय आदि का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान कैदियों के लिए खान पान की उचित व्यवस्था एवं चिकित्सीय व्यवस्था की गुणवत्ता का भी निरीक्षण उच्चाधिकारियों द्वारा किया गया। इस दौरान कैदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना एवं तत्काल समस्याओं के निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित भी किया ।निरीक्षण के दौरान कैदियों से संवाद कर साफ सफाई, स्वास्थ्य सुविधाएं, जेल मेन्यू के अनुसार भोजन, जमानत की स्थिति सहित निरुद्ध कैदियों से वकील होने, न होने की जानकारी ली गई। महिला बैरक में बच्चो को बिस्कुट वितरण किया गया ।इ समस्त उच्चाधिकारियों ने देवरिया जेल में कुशीनगर के कैदियों से मुलाकात कर उनके मामले के विधिक पहलुओं व समस्याओं के बारे में पूछताछ की। उनके जमानत के संदर्भ में जानकारी ली तथा उनका समाधान भी बताया। जिन कैदियों को अपने मामले में वकील की जरूरत थी। उन्हें नोट करने के निर्देश दिया। उच्चाधिकारियों द्वारा कैदियों के लिए चिकित्सकीय व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया तथा मरीजों से वार्ता कर चिकित्सकों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए व अन्य सुविधाओं की उपलब्धता के संदर्भ में जेल अधीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए गए ।इसी क्रम में वैसे कैदी जिनके कोई रिश्तेदार नहीं है। उनके जमानत की पैरवी के संदर्भ में सरकारी वकील की व्यवस्था के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक प्रेम सागर शुक्ल, जेलर राजकुमार, उप जेलर आदित्य कुमार, शिवनाथ पांडेय, मोतीलाल, चिकित्सक डा हरिपाल विश्वकर्मा, डा0 राहुल त्रिपाठी, फार्मासिस्ट रमेश दुबे, मोहन तिवारी सहित अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

एचआईवी विषय पर मेन स्ट्रीमिंग अन्तर्गत ब्लाक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला शुरु

कुशीनगर, उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के सहयोग से मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर सीएमओ एवं जिला क्षय रोग अधिकारी के मार्ग निर्देशन में 5 ब्लाक हाटा, तमकुही, सेवरही, कप्तानगंज व सुकरौली में तीन–तीन बैच का प्रशिक्षण, कार्यशाला का आयोजन किया गया ।जानकारी के अनुसार हाटा विकास खण्ड के ब्लाक सभागार में प्रथम बैच के कार्यशाला के आयोजन का शुभारम्भ बीडीओ कमलेश सिंह एवं सीडीपीओ प्रत्युशा चंद्रा ने फीता काट कर किया। खण्ड विकास अधिकारी कमलेश सिंह ने कहा कि एचआईवी – एड्स सही जानकारी व बचाव ही से ही एचआईवी पर नियंत्रण पा सकते है तथा समाज में संक्रमित व्यक्ति से भेदभाव करना दंडनीय अपराध है। कार्यशाला में ब्लाक स्तर पर कार्यरत बाल विकास परियोजना अधिकारी, मुख्य सेविका, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, जिनकी कुल संख्या 61 रही। को एचआईवीध्एड्स की बेसिक जानकारी, भेदभाव को कम करना, एचआईवीध्एड्स बचाव एवं नियंत्रण एक्ट 2017 के बारे में प्रशिक्षित किया गया एवं पॉजिटिव स्पीकर से स्पीच दिलाया गया। कार्यशाला में जिला टीबी एचआईवी समन्वयक चन्द्रशेखर यादव, रत्नेश मणि त्रिपाठी समन्यव अधिकारी, तारकेश्वर सिंह मास्टर ट्रेनर, किरन चौहान परामर्शदाता हाटा, पाजिटिव नेटवर्क से मुन्नी देवी प्रशिक्षण में सहयोग किया।

फूड सेफ्टी आन व्हील के माध्यम से खाद्य पदार्थों की गई जांच

कुशीनगर,। सहायक आयुक्त खाद्य (सस) खाद्य एवं औषधि प्रशासन प्रदीप कुमार राय ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश व भारतीय खाद्य संस्था पूर्व मानक प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेशानुसार मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश कुमार राथ के नेतृत्व में संचालित एफ.एस.डब्लू. फूड सेफ्टी ऑन व्हील सचल खाद्य प्रयोगशाला द्वारा गुरुवार को 18 दिसम्बर 20 24 को कुशीनगर जनपद के कम्पोजिट विद्यालय भुजौली बाजार, तहसील खड्डा में स्थित एम०डी०एम० किचेन में रखे गये खाद्य पदार्थों तथा मेन मार्केट भुजौली बाजार, तहसील खड्डा, जनपद कुशीनगर पर खाद्य कारोबारकर्ताओ और आम जन द्वारा लाये गये खाद्य पदार्थों की प्राथमिक जांच कर उनके जाँच परिणाम और खाद्य सरक्षा सम्बन्धी जानकारियों के बारे में खाद्य कारोबारियों और लोगों को बताकर उन्हें जागरूक किया गया। जांच के घरेलू तरीको और बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी गयी। फूड सेफ्टी ऑन व्हील (सचल आद्य प्रयोगशाला) के साथ आये वाहन चालक ओमकार नाथ पाण्डेय व प्रशिक्षित खाद्य सुरक्षा अधिकारी विजय कुमार यादव द्वारा जांच की गयी। कुल–48 नमूने संग्रहीत कर जाँचे गये। जिसमें 06 नमूने अशुद्ध पाये गये तथा 42 नमूने मानक के अनुरूप पाये गये। इस दौरान कम्पोजिट विद्यालय भुजौली बाजार तहसील –खड्ध्डा में छात्र–छात्राओं, उपस्थित शिक्षको एवं रसोईयों को खाद्य सुरक्षा एवं संरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। उक्त कार्यक्रम में खाद्य पदार्थों में मिलावट पहचानने के घरेलू तरीको एवं पैक्ड खाद्य पदार्थ में बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया।

मस्जिद के पास सरकारी जमीनों का हुआ पैमाईश

कुशीनगर,)। जनपद के हाटा नगर मे स्थित मदनी मस्जिद के द्वारा अगल बगल की सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण की शिकायत हिन्दू वादी नेता रामबचन सिंह ने मुख्यमंत्री से कर अवैध निर्माण को हटाकर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग किया था। जिसको गम्भीरता से लेते हुए जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज व पुलिस अधीक्षक सन्तोष कुमार मिश्र ने देर रात भारी पुलिस बल के साथ स्थलीय निरीक्षण कर मातहतों को आवश्यक निर्देश दिया।

वही मामले को गंभीरता से लेते हुए भारी पुलिस बल की मौजूदगी में एडीएम वित्त एवं राजस्व तथा एडीशनल एसपी के नेतृत्व में राजस्व टीम द्वारा पैमाईश कराई गई। मौके पर शान्ति व्यवस्था बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार हाटा नगर में बुधवार की सुबह से ही जनपद भर के थानों से भारी पुलिस बल, महिला पुलिस मौके पर पहुंच कर शान्ति व्यवस्था में लगीं रही। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी प्रभाकर सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी कसया कुन्दन सिंह, क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज अमित सक्सेना की मौजूदगी में राजस्व टीम द्वारा नगर के आराजी नम्बर 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208 का पैमाईश कर चिन्हांकन किया गया ।आरोपित पक्ष के लोगों तथा अधिवक्ता द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों को अपना भू अभिलेख दिखाया गया ।आरोपित पक्ष द्वारा पैमाईश के दौरान कुछ अतिक्रमण किए गए भू भाग को खाली कर दिया। बताते चलें कि मंगलवार को देर रात पुलिस अधीक्षक सन्तोष कुमार मिश्र ने पुलिस बल की मौजूदगी में उक्त स्थल का निरीक्षण किया था। बुधवार देर रात तक जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज वह पुलिस अधीक्षक संतोष मिश्रा मौजूद रहे।

पहले किया कुल्हाड़ी से प्रहार फिर उड़ेल दिया ज्वलनशील पदार्थ, हालत गंभीर

'हलिया थाना क्षेत्र का मामला

मीरजापुर(एजेंसी)। जिले की कानून खघैफनाक करतूत एक बार फिर सामने किसान को जान से मारने का प्रयास मरा समझकर फरार हो लिए हैंपूरा क्षेत्र अंतर्गत झगरहां गांव का बताया रहे व्यक्ति की हत्या के उद्देश्य से चेहरे व सिर पर प्रहार कर दिया, बाद झुलसा अवस्था में मरा समझकर फरार की तरफ गए ग्रामीणों ने देखा तो परिजनों जानकारी होते ही परिजनों सहित ग्रामीणों मुताबिक हलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत 50 वर्ष पुत्र स्वर्गीय तुलसी का पड़ोसी लालता आदिवासी रोज की भांति बुधवार गया तथा जहां देर रात पड़ोसी ने ध प्रहार कर दिया. जिससे वह बुरी तरह से जख्मी होकर तड़पने लगा था, वह बचने का प्रयास करता कि तब तक उसके ऊपर कोई ज्वलनशील पदार्थ उड़ेल दिया गया जिससे वह बुरी तरह से झुलस गया. इस दौरान उसे बुरी तरह से मारा–पीटा भी गया है.जिससे वह अचेत हो गया था. सुबह होने पर जब ग्रामीणों की नजर पड़ी तो उसके परिजनों को सूचना दी है. सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने आनन–फानन में गंभीर रूप से घायल लालता को अचेतावस्था में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया. जिला अस्पताल पहुंचने पर हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया है. इस घटना के बाद परिजन भी डरे सहमें हुए हैं. मामले से पुलिस जहां अनभिज्ञ बनी हुई है वहीं परिजनों ने जान–माल के खघ्तरे की आशंका जताई है.

डीएम ने की सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा, निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत कार्य कराने का दिया गया निर्देश

कुशीनगर (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। नवंबर माह में विकास कार्यों के अंतर्गत जनपद को 6 टीएच रैंक प्राप्त हुई है। डीएम ने ए और ए रैंकिंग प्राप्त करने वाले विभागाध्यक्षों के कार्यों की सराहना की साथ ही जिन विभागों की रैंकिंग बी, सी एवं ई थी। उन्हे निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत गुणवत्ता पूर्ण काम कराते हुए लक्ष्य प्राप्त करने के साथ ग्रेडिंग एवं रैंकिंग सुधारने का निर्देश संबंधित विभागाध्यक्षों को दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को शासन से जुड़ी जनकल्याणकारी एवं विकासपरक योजनाओं एवं परियोजनाओं को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करने का निर्देश दिया। नवंबर माह में कुशीनगर जनपद की रैंकिंग विकास कार्यों में सम्मिलित रूप से छठी रही है। इसलिए सभी अधिकारी विशेष ध्यान दें कि किसी अधिकारी की शिथिलता या लापरवाही से जनपद की रैंकिंग प्रभावित नहीं हों। पूरी तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठ होकर काम करने की आवश्यकता है। जिन विभागों का लक्ष्य दिसंबर में निर्धारित है या जो आवेदन आपके विभागीय पोर्टल पर आवेदकों के लंबित है। उन्हे शीघ्र समयांतर्गत निस्तारित करे। जिससे कि रैंक और अधिक बेहतर हो सकें। उन्होंने कहा कि नवंबर माह की रैंकिंग के अंतर्गत राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, निर्माण कार्य सीएमआईएस, डेएनआरएलएम बैंक लिंकेज के अंतर्गत बी रेटिंग तथा मध्याह्न भोजन एवं छात्रों की उपस्थिति बेसिक शिक्षा विभाग, सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज कल्याण विभाग, नई सड़कों के निर्माण लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत सी ग्रेड की रेटिंग, राज्य पर्यटन योजना के अंतर्गत डी ग्रेड की रेटिंग प्राप्त हुई है। इसके अलावा फैमिली आईडी नियोजन, कन्या विवाह सहायता योजना के अंतर्गत ई रैंक प्राप्त हुई। उन्होंने जिला विकास अधिकारी एवं जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी तथा श्रम प्रवर्तन अधिकारी को शीघ्र लक्ष्य की प्राप्ति करने के निर्देश दिया। जनपद में चल रहे फॉर्मर रजिस्ट्री हेतु कैंपों में ही जिलाधिकारी ने फैमिली बनाने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आयोजित कैंपों को मल्टी परपस उद्देश्यों के उपयोग करें। अधिक से अधिक योजनाओं से लोगों को संतृप्त किया जाए। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया की राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के अंतर्गत आए आवेदनों को बीडीओ और एसडीएम की सहायता से शीघ्र निस्तारित कराए। उन्होंने जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को फैमिली आईडी बनाने तथा उसके बनाने से आम जनमानस को होने वाले लाभ के बारे में जागरूक करने हेतु निर्देशित किया। विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने विद्युत आपूर्ति तथा विद्युत बिलों के सुधार के लंबित मामलों की जानकारी संबंधित अधिकारी से ली गई। उन्होंने बीएसए को कहा कि कायाकल्प के अलावा विद्यालयों के सौंदर्यीकरण हेतु अन्य अनुरक्षण हेतु विभागीय बजट का इस्तेमाल करें तथा जिन विद्यालयों में छात्र छात्राओं की उपस्थिति कम बीईओ स्वयं जाकर निरीक्षण करें तथा आवश्यकतानुसार प्रभावी कार्यवाही भी करें।डीएम की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति की बैठक हुई संपन्न–– जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा वर्षा काल 2025–26 हेतु वृक्षा रोपण स्थल की कार्यवाही, 2024 वर्षा काल में आरोपित किए गए पौधों की जीवितता प्रतिशत रिपोर्ट, उनकी सुरक्षा हेतु तार फेंसिंग, आयरन ट्री गार्ड, बंबू ट्री गार्ड, वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत रोपित किए गए पौधों, बनाए गए स्मृति वनों, आयुष वनों, मित्र वन, कुश वन आदि की जानकारी दी गई। डीएम ने समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृक्षारोपण स्थलों की जियो टैगिंग शत प्रतिशत हो जानी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही परिलक्षित न हों। सभी अधिकारी इसका विशेष ध्यान रखें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी, डीएफओ वरुण, जिला विकास अधिकारी कल्पना मिश्रा, डीईएसटीओ श्रवण कुमार सिंह, संदीप, जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र, डीसी मनरेगा राकेश, पर्यटन सूचना अधिकारी प्राण रंजन, डीसी एनआरएलएम, डीपीओ विनय कुमार, डीपीआरओ आलोक प्रियदर्शी, एआर कॉपरेटिव नीरज गौड़, बीएसए राम जियावन मौर्य सहित विभिन्न जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

मातृत्व शिशु बालिका मदद योजना एवं कन्या विवाह सहायता योजना का श्रमिक बंधु अधिक से अधिक ले सकते है लाभ

कुशीनगर, श्रम विभाग के तहत उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिकों के लिये विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं का श्रमिक बंधु अधिक से अधिक लाभ ले सकते है ।उक्त जानकारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी अलंकृता उपाध्याय ने देते हुए बताया कि मातृत्व शिशु बालिका मदद योजना, जिसमें प्रथम दो संतानो की सीमा तक मातृत्व हितलाभ में पंजीकृत पुरुष कामगारों को 6000 रू० एक मुश्त, पंजीकृत महिला कर्मकार को संस्थागत प्रसव की स्थिति में 3 माह के न्यूनतम वेतन के समतुल्य धनराशि तथा 1000 रू० चिकित्सा बोनस देय है। शिशु के पुत्र होने की दशा में एकमुश्त 20,000 रू० तथा पुत्री होने पर 25,000 रू० की दर से व परिवार में पहली व दूसरी बालिका संतान होने पर 25,000 रू० की सावधि जमा का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत 55,000 रू० की सहायता राशि, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना अन्तर्गत कक्षा 01 से उच्च शिक्षा में अध्ययन हेतु कक्षावार 2000 से 24,000 रू० की छात्रवृति देय है। पात्र श्रमिको के बच्चों के कक्षा 06 से 12 तक अध्ययन व बौद्धिक शारीरिक विकास हेतु अटल आवासीय विद्यालय सहजनवा गोरखपुर में संचालित किया जा रहा है। जिसमें सत्र 2025–26 में कक्षा 06 व 09 में प्रवेश हेतु कार्यालय सहायक श्रम आयुक्त कुशीनगर में आवेदन कर सकते है। उन्होंने कहा कि पंजीकृत श्रमिको की मृत्यु की दशा में आश्रितों को 225000 रू० (सामान्य मृत्यु), 525000 रू० दुघर्टना में मृत्यु में देय है। उक्त योजनाओं का हित लाभ पात्र पंजीकृत निर्माण श्रमिको को देय है। 18 से 60 वर्ष आयु के ऐसे व्यक्ति जिनके द्वारा निर्माण प्रक्रियाओं में मनरेगा में वर्ष में कम से कम 90 दिन कार्य किया गया हो। नचइवबूपद पोर्टल पर स्वयं या जनसेवा केन्द्र के माध्यम से पंजीयन करा सकते है। पंजीकरण के उपरान्त प्रतिवर्ष नवीनीकरण कराकर सदस्यता बनाये रखना भी आवश्यक है। पंजीयन हेतु श्रमिक का आधार कार्ड, बैंक पासबुक निर्माण कार्य का प्रमाण पत्र, स्वघोषित नियोजन प्रमाण पत्र आवश्यक अभिलेख है। गत वित्तीय वर्ष में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत 52996535 रू० का लाभ प्रदान जायेगा। साथ ही ऐसे श्रमिक जिन्होने वर्ग में कम से कम 90 दिन निर्माण कार्य मनरेगा में कार्य किया हो। नचइवबूपद पोर्टल पर पंजीयन कराकर विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

दो शातिर चोर गिरफ्तार, नोट गिनने वाली मशीन व असलहे बरामद

आर्यावर्त ग्रामीण बैंक की चोरी की घटना का पुलिस ने किया खुलासा

बाराबंकी(एजेंसी) ।कोठी कोतवाली क्षेत्र के कैसर गंज स्थित आर्यावर्त ग्रामीण बैंक शाखा में चोरी के मामले का पर्दाफाश करने में कोठी पुलिस ने सफलता हासिल की है ।स्वाट व सर्विलांस टीम की मदद से कोठी पुलिस ने चोरी में शामिल दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है ।आरोपितों के पास से बैंक से चोरी की गई रूपये गिनने की मशीन,जमा पर्ची,तमंचा कारतूस सहित,पायल,सब्बल सहित अन्य सामान बरामद कर लिया है ।दो लोगों ने ही वारदात को अंजाम दिया था ।बीते आठ नवम्बर की रात कैसर गंज स्थित आर्यावर्त ग्रामीण बैंक शाखा में सेंध काटकर भीतर दाखिल होकर चोरी की घटना को अंजाम दिया ।पुलिस की पूछताछ में अभियुक्त रोहित व दीपक ने बताया कि चोरी करने से पहले रेकी कर सेंध काटने के स्थान आदि को चिन्हित किया ।अभियुक्त रोहित द्वारा बैंक के अंदर जाकर कैश काउंटर को खंगाला ।नकदी न मिलने पर नोट गिनने की मशीन सहित अन्य सामानो को चोरी कर लिया ।शाखा प्रबंधक की शिकायत पर कोठी पुलिस केस दर्जकर मामले की पड़ताल में जुट गई ।उसके बाद कोठी कोतवाली पुलिस के अलावा इस मामले में स्वाट व सर्विलांस की टीम को भी जांच में लगाया ।इसके बाद संदिग्ध मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लगाकर पुलिस आरोपितों को ट्रेस करने में सफल हो गई। गुरुवार को पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी डाक्टर अखिलेश नारायण सिंह ने बताया कि बैंक में चोरी के मामले में रोहित कोरी पुत्र जगन्नाथ कोरी व दीपक पुत्र राम चंदर निवासी ग्राम संसारा थाना हैदरगढ़ कोठी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है ।दोनों आरोपित पहले भी चोरी के कई मामलों में जेल जा चुके हैं ।आरोपितों के पास बैंक से चोरी की गई नोट गिनने की मशीन,जमा पर्ची,तमंचा व कारतूस,पायल,सब्बल सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं ।गिरफ्तार किए गए दोनों चोर के भाई पहले से जेल में बंद है। जिनमे रोहित के ऊपर करीब 15 मुकदमे दर्ज है ।आरोपितों को पकड़ने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह,सर्विलांस सेल प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार यादव, स्वाट टीम प्रभारी अजय सिंह सहित वरिष्ठ उप निरीक्षक शिव सागर तिवारी,उप निरीक्षक फिरोज खां, विशेष कुमार कुरील, ध्रुवराज,बलि करन,इमरान अली,दिनेश यादव,दिलीप प्रजापति,नवनीत तिवारी,राहुल कुमार सहित आदि शामिल थे ।अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अखिलेश नारायण सिंह व क्षेत्राधिकारी आलोक पाठक सहित अन्य ने कोठी पुलिस की सराहना की है।

पराली के छोटे टुकड़े करके मिट्टी में मिलाये, ज्यादा होगी फसल:सुनील सिंह

हैदरगढ़, बाराबंकी(एजेंसी) ।टिकरा मजरे लाही गांव में स्थित कृष्ण महाकालेष्वर मंदिर परिसर पर कृषि विज्ञान केंद्र हैदरगढ़ की ओर से इन सीटू फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि त्रिवेदीगंज पूर्व ब्लाक प्रमुख सुनील सिंह व विशिष्ट अतिथि कोतवाल हैदरगढ़ अजय प्रकाश त्रिपाठी ने किया। इस दौरान दोनों अतिथियों का केवीके हैदरगढ़ के केंद्र प्रभारी डॉ अष्वनी सिंह व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर समीर पांडे ने अंग वस्त्र,फूलमालाओं को पहनाकर भव्य स्वागत किया हैं। इसके अलावा इस कार्यक्रम में कई किसानों को भी केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने सम्मानित किया है। इस दौरान मुख्य अतिथि ने कहा कि किसानों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहुत अच्छे कार्य किए हैं, जिससे किसानों को बहुत लाभ हुआ हैं।कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक भी सरकार की योजनाओं को किसानों तक पहुंचने के लिए उनके गांव जाकर योजनाओं के विषय में कार्यक्रम लगाकर उन्हें जानकारियां दे रहे हैं और उनकी आय दुगनी कर रहे हैं। केवीके हैदरगढ़ के प्रभारी वरिष्ठ विज्ञानी डॉक्टर अष्वनी सिंह ने उपस्थित सैकड़ो किसानों को पराली न जलाने की शपथ दिलाई। और कहा कि किसान अपने खेतों की पराली न जलाए,बल्कि मेरे यहां आकर आधुनिक मशीनी ले जाकर पराली को खेतों में छोटे–छोटे टुकड़ों में काट कर मिट्टी में मिलाए, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी और प्रदूषण भी नहीं फैलेगा। वही, वरिष्ठ विज्ञानी डॉक्टर समीर पांडे ने कहा कि किसान अधिक खेतों में रासायनिक खादों का प्रयोग कम करें और वैज्ञानिक ढंग से खेती का प्रयोग करें तो उनकी आय दुगनी हो सकती हैं। डॉक्टर भास्कर प्रताप सिंह व विनीत कुमार शुक्ल ने भी किसानों को तमाम तरह की खेती संबंधित जानकारियां दी। इस मौके पर अभय प्रताप सिंह, सूर्य नारायण अवस्थी, रामू शुक्ला, गंगा प्रसाद, दयाराम राम, जगजीवन, भानु ,रामनारायण, हरिश्चंद्र सिंह, बैजनाथ अवस्थी, मोहनलाल रावत, शारदा प्रसाद रावत सहित सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

लखनऊ गोण्डा पैसेंजर बंद, यात्री परेषान

रामनगर, बाराबंकी(एजेंसी) ।चार साल पहले कोरोना काल में लखनऊ गोंडा पैसेंजर का संचालन बंद कर दिया गया था जिससे छोटे छोटे स्टेशनों से सफर करने वाले मजदूर, व्यापारी, छात्र एवं आम नागरिक परेशान हैं। छोटे स्टेशनों से रोज यात्रा करने वाले आम नागरिकों को उम्मीद थी कि इसे जनता के हित में चालू किया जाएगा मगर जैसे जैसे समय बीत रहा उम्मीदें बिल्कुल खत्म हो रही है ।वर्ष 2020 में कोरोना काल के समय इस पेसेंजर ट्रेन का संचालन बंद कर दिया गया था जिसको अब तक चालू नहीं किया गया। कम पैसे में लखनऊ गोंडा की ओर जाने वाले आम लोग व डेली पेसेंजरो को बड़ी दिक्कतें उठानी पड़ रही है ।बिंदौरा,चौका घाट,रफी नगर,जंहगीराबाद सहित बुढ़वल स्टेशन से यात्रा करने वाले लोग चार साल से यह उम्मीद लगाए है कि जल्द इसका संचालन शुरु होगा मगर जैसे जैसे समय बीत रहा उम्मीदें भी खत्म होती जा रही है ।कोई भी जन प्रतिनिधि इस संबंध में रेल विभाग से पत्राचार नही कर रहा न ही जनहित के इस मुद्दे पर कोई कार्यवाही कर रहा है ।आम जनता का किराए में लखनऊ तक जाना स्वप्न बना है। उनको ज्यादा पैसा खर्च करके बस से सफर करना पड़ता है। स्थानीय यात्रियों ने लखनऊ गोंडा पेसेंजर को चालू कराने की मांग की है। इस समय सीतापुर से गोंडा जाने वाली दोनो पेसेंजर ट्रेन भी 2 मार्च 2025 तक कोहरा की वजह से बंद की गई हैं। इसके अलावा गोंडा से सीतापुर जाने वाली पैसेंजर 05091 व 05092 12 दिसंबर से बंद चल रही है जो अगले आदेश तक बंद चलेगी। यह सीतापुर पैसेंजर दोपहर में चलती थी।

एएनएम सेंटर में लटक रहा है ताला, अधिकारी अंजान

रामनगर, बाराबंकी(एजेंसी)। विकासखंड रामनगर के ग्राम पंचायत गरी में आयुष्मान योजना के तहत बनाए गए आयुष्मान आरोग्य मंदिर और एनएम सेंटर विभाग की लापरवाही से अनुपयोगी हो गए हैं जंहा हर समय ताला बंद रहता है। देख भाल न होने के कारण झाड़ी तक उग गई है। यंहा कोई कर्मचारी नही आता है ।आयुष्मान आरोग्य मंदिर और एनएम सेंटर के आसपास घास फूस उग गई हैं जो यह साबित करती हैं कि यहां सफाई का कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विभाग के साथ साथ यंहा तैनात सफाई कर्मी की लापरवाही के कारण ये दोनो केंद्र गंदगी से घिरे हुए है। यह केंद्र ग्रामीण अंचल के मरीजों को स्वास्थ्य सेवाए देने के लिए खोले गए थे मगर अनुपयोगी बने है। इनकी साफ सफाई कराकर कर्मचारियों की उपस्थित हो तो आस पास के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। इसी तरह रामनगर ब्लॉक के बगल बना उप केंद्र भी बहुत दिनों से बंद है जब कि यंहा सीएचओ की तैनाती है ।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक मुकुंद पटेल ने बताया कि जांच पड़ताल की जाएगी कि केंद्र क्यो बंद है साफ सफाई कार्य कराकर इन्हे चलाया जाएगा ।तैनात कर्मचारी को नोटिस देकर बंद रहने का कारण पूंछा जाएगा।

सड़क किनारे खड़े वाहनों से हो रहे हैं हादसे

रामनगर, बाराबंकी(एजेंसी)। बुढ़वल मिल से लेकर ब्लॉक तक सड़क किनारे बेतरतीब वाहन खड़े होते हैं जिससे सड़क दुर्घटना की संभावना हर समय बनी रहती है ।इन वाहनो के खड़े होने का कोई स्थाई अड्डा आज तक नहीं बन सका जब कि चौराहे पर कई लोग ट्रांसपोर्ट संचालन कर रहे है ।बाराबंकी बहराइच हाइवे के मुख्य रामनगर चौराहे पर सड़क पटरी पर ट्रक व डीसीएम खड़े होते कि जो रोड जाम का कारण भी बनते है ।एक पेट्रोल पम्प के पास तो ट्रके बहुत खड़ी होती है क्यो कि यंहा ट्रांसपोर्ट खुला है ।जगह उनके पास नही कि जिससे दर्जनों ट्रक सड़क पटरी पर ही खड़ी रहती है ।सुबह इस जगह से निकलना मुश्किल हो जाता है कई बार पुलिस ने सख्ती की तो कुछ समय के लिए ट्रक नही खड़ी हुई मगर बाद मे खड़ी होने लगी ।यंहा बीते छ महीने मे दो दुर्घटनाए भी हुई जिनमे दो मौतें हो चुकी है। मुख्य चौराहे पर भी मंडी के अगल बगल डीसीएम खड़ी होकर सड़क जाम की समस्या पैदा करती है ।ई रिक्शा भी सड़क की पटरी पर दर्जनों की संख्या में खड़े होकर दुर्घटना को दावत देते नजर आते हैं।

गलत इंजेक्शन लगाने मासूम की मौत, परिजनों ने काटा हंगामा

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी(एजेंसी)। आपरेशन से पूर्व इंजेक्शन लगाने के बाद बच्चे की तत्काल मौत हो गई ।मौत के बाद लापरवाही एंव गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए परिजनों ने हगांमा कर दिया। परिजनों के हगांमा करते ही अस्पताल के कर्मचारी भाग खडे हुए। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची बदोसरांय पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है ।कोतवाली बदोसरांय क्षेत्र के ग्राम मरकामऊ कस्बे में संचालित शिव पटेल नर्सिंग होम में ग्राम फरेन्दहा मजरे अमराई गांव थाना रामनगर के निवासी प्रदीप ने अपने लगभग 3 वर्षीय पुत्र रिषु को बतौड़ी का आपरेशन कराने के लिए भर्ती कराया था। गुरुवार को लगभग 11 बजे आपरेशन से पूर्व बच्चे को डाक्टर द्वारा दो इंजेक्शन लगाये गए। इंजेक्शन लगाने के कुछ पलों बाद ही बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। इसके बाद आक्रोषित परिजनों ने डाक्टर पर गलत तरीके से इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए बच्चे का शव गोद में लेकर हंगामा शुरू कर दिया। अस्पताल के बाहर ग्रामीणों की भीड जुट गई। बच्चे की मौत के बाद परिजनों के हंगामे से भयभीत अस्पताल के डाक्टर व कर्मचारी गायब हो गए। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी सन्तोष कुमार ने बताया है कि शव का पंचायत नामा भरकर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मिशन शक्ति योजना के तहत छात्राओं को किया जागरूक

लालगंज, प्रतापगढ़। मिशन शक्ति योजना के तहत लीलावती इण्टर कालेज यमुना नगर जूही सांगीपुर में शुक्रवार को विद्यालय की छात्राओ को विभिन्न कार्यो के जरिए जागरूक किया गया। विद्यालय प्रशासन समिति ने छात्राओ को विद्यालय की प्रबन्धकीय व्यवस्था, लिपकीय तथा शैक्षणिक व्यवस्था की जिम्मेदारी सौपकर उन्हें इन कार्यो के प्रति जागरूक किया। वही छात्राओं को प्रधानाचार्य की भूमिका को लेकर भी जानकारियां साझा की गयी। विद्यालय की छात्रा नंदना मौर्य ने प्रबंधक शिवानी वर्मा ने प्रधानाचार्य तथा उप प्रबंधक के रूप में चंचल सिंह व उप प्रधानाचार्य की भूमिका में फरहद एवं आकांक्षा ने लिपिक की भूमिका का निर्वहन किया। वही छात्रा स्नेहा रजक, ज्योती यादव, करिश्मा यादव, अनुपम सरोज, रोशनी व श्रद्धा वर्मा ने शिक्षक के रूप में कार्य किया। विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था से लेकर लिपकीय तक की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए छात्राओं मे खुशी दिखी। प्रबन्धक प्रदीप त्रिपाठी ने कहा कि इस प्रकार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करने से छात्राओ मे नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। इस मौके पर प्रधानाचार्य प्रेम कुमार शुक्ल, आशीष पाण्डेय, सुधा त्रिपाठी, मानस मनोज पाण्डेय, जितेन्द्र पाण्डेय, सत्यप्रकाश, रोहित तिवारी, केके तिवारी, उदयशंकर तिवारी आदि मौजूद रहे।

पूजन कर ब्लाक प्रमुख व भाजपा नेता ने लोनी नदी के पुनरोद्धार का किया शुभारंभ

लालगंज, प्रतापगढ़। नदी पुनरोद्धार एवं कायाकल्प के तहत शुक्रवार को विकासखण्ड लक्ष्मणपुर अन्तर्गत लोनी नदी के घरौरा घाट पर ब्लाक प्रमुख ने वरिष्ठ भाजपा नेता के साथ पूजन किया। लोनी नदी के पुनरोद्धार व कायाकल्प कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि नदियों का रखरखाव बेहद जरूरी है। नदियां हमारी प्राकृतिक धरोहर है। उन्होनें कहा कि पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत विकासखण्ड लक्ष्मणपुर के विभिन्न क्षेत्रो से होकर गुजरी लोनी नदी का कायाकल्प हो सकेगा। इससे पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रेमलता सिंह ने भाजपा नेता डॉ. राकेश सिंह के साथ लोनी नदी के पवित्र जल का वैदिक मंत्रोचार के बीच पूजन किया। ब्लाक प्रमुख ने कहा कि लोनी नदी लक्ष्मणपुर विकासखण्ड में सबसे अधिक लम्बाई लिए हुए है। इसके कायाकल्प से नदी किनारे रहने वाले किसानों को भी लाभ मिल सकेगा। कार्यक्रम मे आये हुए अतिथियो का प्रधान रईस खान ने स्वागत किया तथा कार्यक्रम का संचालन अनूप त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी विकास मिश्र, आलोक पाण्डेय, जेई जयशिवमूर्ति दुबे, दुर्गेश प्रताप सिंह, रामसेवक, अरविन्द कुमार, अंकित गुप्त, विक्रम सिंह, अवधेश पटेल आदि मौजूद रहे।

मवेशी को जहर देने का आरोप, दी तहरीर

लालगंज, प्रतापगढ़। मवेशी को जहर देकर मार डालने का आरोप लगाते हुए पीड़ित महिला ने पुलिस को तहरीर दी है। लीलापुर थानान्तर्गत पूरनपूर खजूर सरबाजपुर गांव की अनीता देवी पत्नी मुकेश पाण्डेय ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि सत्रह दिसंबर की सुबह करीब ढाई बजे परिवार की एक महिला ने उसकी भैंस को जहर दे दिया। जिससे उसकी मौत हो गयी। पीड़िता ने आरोपी महिला के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है। एसओ अरूण कुमार का कहना है कि तहरीर मिली है, जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

जीवन का सही मार्गदर्शन करती है श्रीराम कथा- आचार्य शिवम जी

लालगंज, प्रतापगढ़। विकासखण्ड सांगीपुर के अठेहा स्थित

श्रीबालाजी धाम में चल रही सामूहिक श्रीराम कथा में श्रद्धालुओं की भीड उमड रही है। वृंदावन से पधारे कथाव्यास आचार्य शिवम जी महराज ने भगवान श्रीराम की कथा से सीख लेने की बात कही है। कथा आचार्य ने कहा कि भगवान श्रीराम की कथा मनुष्य को मर्यादा में रहना सिखाती है। यह कथा मनुष्य के जीवन का सही मार्गदर्शन भी करती है। कथा आचार्य शिवम जी महराज ने कहा कि भगवान श्रीराम की कथा का श्रवण करने से मनुष्य का लोक परलोक सुधर जाता है। आयोजन समिति के दयाराम सोनी, मदन चौरसिया, कृपाशंकर पाठक ने व्यासपीठ का रोली चंदन से पूजन किया। इस मौके पर अनुराग, कपिल द्विवेदी, अमन, रमेश सोनी, रवि, जगप्रवेश मिश्र, सुनील मिश्र आदि मौजूद रहे।

एंबुलेंस को रास्ता दें अभियान के तहत किया जागरूक

सुलतानपुर (एजेंसी)। रानी लक्ष्मीबाई स्मारक बालिका इंटर कॉलेज कूरेभार में एंबुलेंस को रास्ता दें अभियान के तहत कटका क्लब सामाजिक संस्था के द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संजय सिंह ने किया। इस मौके पर मुख्य वक्ता शिक्षक साहित्यकार सर्वेशकांत वर्मा ने बताया कि यातायात नियमों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। स्कूलों, कॉलेजों और ग्राहकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना और उसे बढ़ावा देने के साथ एंबुलेंस को रास्ता दें अभियान पर संस्था जोर दे रही है। संस्था के महामंत्री सूरज विश्वास ने बताया कि सड़क दुर्घटना रोकने में स्कूली बच्चों की भूमिका अहम है। उन्होंने बच्चों से जिम्मेदार बनने और समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने का भी आह्वान किया। कॉलेज के प्रधानाचार्य नवीन गुप्ता ने बताया है कि संस्था के द्वारा चलाए जा रहे अभियान सराहनीय है और मानवता के लिए मिसाल है। हम सभी का कर्तव्य है एंबुलेंस को रास्ता जरुर दें। इस मौके पर उपस्थित संस्था के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा विनम्र ने आए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया और उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम लगातार एक महीने से चल रहा है जो अपने समाप्ति की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान अभी तक कई विद्यालयों में संचालित किया जा चुका है और कई प्रकार से लोगों को जागरूक किया गया है ।

सुदृढ़ एवं सुसज्जित विकास से रामपुरखास होगा आत्मनिर्भर-मोना

05 मादामई में समारोह को संबोधित करती विधायक आराधना मिश्रा
06 कौडियाडीह में पुल का उदघाटन करती विधायक आराधना मिश्रा मोना
07 कौडियाडीह में जनसभा को संबोधित करती विधायक आराधना मिश्रा मोना

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने शुक्रवार को रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र मे नवनिर्मित पक्के पुल तथा झील के पुनरोद्धार समेत ग्रामीण विकास से जुडी करोडो की सौगात सौपी। क्षेत्र के मादामई में विधायक आराधना मिश्रा मोना ने मनरेगा के जरिए विलुप्तप्राय नदियों के पुनरोद्धार के तहत झील व लोनी नदी के दो सौ करोड़ रूपये की स्वीकृत सौन्दर्यीकरण की परियोजना की आधारशिला रखी। वहीं कौड़ियाडीह में लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित एक करोड़ चार लाख रूपये की लागत से लोनी नदी पर बने नवनिर्मित पुल का समारोहपूर्वक लोकार्पण किया। कौडियाडीह में विधायक आराधना मिश्रा मोना ने इण्टरलाकिंग तथा पेयजल व स्वास्थ्य परियोजनाओं से जुडी करोडों की लागत के ग्रामीण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक के मादामई में गुजवर मादामई झील एवं लोनी नदी के पुनरोद्धार समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि इस परियोजना के जरिए जल संरक्षण को गति मिल सकेगी। वही उन्होने कहा कि परियोजना के लिए वह स्वयं तथा राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के प्रयास से झील के सौन्दर्यीकरण को रामपुरखास के एक और नए पर्यटन स्थली के रूप में विकसित करायेंगी। उन्होने ग्रामीणों को यह भी भरोसा दिलाया कि झील को सोलर पावर प्लांट से भी सुसज्जित किया जाएगा। विधायक मोना ने कहा कि इस परियोजना के जरिए खण्डवा, मोठिन, हरनाहर, पुरवारा, कन्हैया दुल्लापुर व मांदीपुर, सराय रायजू जैसे रामपुर खास के अनेक ग्राम पर्यावरण के क्षेत्र में सुदृढ़ हो सकेंगे। शिक्षक एमएलसी उमेश द्विवेदी की ओर से प्रतिनिधि अभिमन्यु सिंह ने परियोजना के पूर्ण होने में सहयोग का भरोसा दिलाया। प्रारम्भ में परियोजना निदेशक दयाराम यादव ने बताया कि पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत जिले के रामपुर संग्रामगढ, लालगंज, बाबागंज, बिहार एवं लक्ष्मणपुर की पैंतीस ग्राम पंचायतें लाभान्वित होंगी। डीसी मनरेगा अश्विनी सोनकर ने परियोजना के प्रथम चरण की कार्ययोजना प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम लालगंज नैंनसी सिंह व संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। समारोह को डीडीओ श्रीकृष्णा, बीडीओ बाबागंज राजेन्द्र पाण्डेय ने भी संबोधित किया। इसके बाद विधायक मोना ने कौडियाडीह में लोनी नदी पर एक करोड चार लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित पुल का समारोहपूर्वक लोकार्पण किया। यहां आयोजित जनसभा में वर्चुअल संबोधन में राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने क्षेत्रीय विकास से जुडी परियोजनाओं मे तेजी लाने का ग्रामीणों को भरोसा दिलाया। विधायक आराधना मिश्रा मोना ने क्षेत्र में ग्रामीण विद्युतीकरण तथा सड़क व शिक्षा तथा स्वास्थ्य आदि के क्षेत्र में रामपुर खास को आत्मनिर्भर आदर्श विकसित क्षेत्र बनाए जाने का ऐलान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य माता प्रसाद पाण्डेय व संचालन राकेश चतुर्वेदी ने किया। जनसभा को चंद्रपाल सरोज, भुवनेश्वर शुक्ल, अभय प्रताप सिंह, महेश पटेल, विजय कुमार सरोज, मो. सरवर, लक्ष्मीकान्त यादव, सतन सरोज, नन्हें लाल गौतम, विद्याधर पटेल ने भी संबोधित किया। इस मौके पर भगवती प्रसाद तिवारी, आशीष उपाध्याय, मोनू पाण्डेय, दिनकर पाण्डेय, पण्डित दुबे, मो. असलम, शिक्षक नेता राजेश पाण्डेय, गुडडू दुबे, आशीष तिवारी, रघुनाथ सरोज, लालजी यादव, अश्विनी उपाध्याय, जमुना पाण्डेय, मनोज सिंह, राजकुमार मिश्र, दिनेश सिंह आदि रहे।

लालगंज, प्रतापगढ़। झील एवं लोनी नदी के सौन्दर्यीकरण के शुभारंभ पर पहुंची विधायक आराधना मिश्रा मोना ने श्रमिकों के साथ कार्य का शुभारंभ स्वयं फावड़ा चलाकर किया। लालगंज एसडीएम नैंनसी सिंह एवं अन्य अधिकारी भी विधायक के साथ फावडा हाथ में थामकर श्रमिकों का उत्साहवर्धन करते दिखे। वहीं कौडियाडीह मे लोनी नदी पर काफी दिनो से पुल के लिए ग्रामीणों की मुराद पूरी होने पर विधायक मोना तथा राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी को लेकर शुक्रवार को खासा उत्साहजनक माहौल दिखा। जनसभा में बडी संख्या में पहुंची महिलाओं ने विधायक मोना को गले लगाकर हरनाहर तथा बाबागंज व धारूपुर आदि क्षेत्र के लिए बरसात के समय अब सुगम आवागमन के लिए खुशियां जताती दिखी। वही मादामई तथा कौडियाडीह मे इन विकास परियोजनाओं को लेकर विधायक आराधना मिश्रा मोना का ग्रामीणों की ओर से भव्य स्वागत भी हुआ दिखा।

चाइल्डलाइन के सहयोग से दो बच्चों को उनके परिजनों को सौंपा

सुलतानपुर (एजेंसी)। आर.पीएफ के सचिन के द्वारा दो बच्चे नाजिया परवीन उम्र 11 वर्ष मोहम्मद जाकिर उम्र 9 वर्ष रेलवे स्टेशन पर मिले जिसे चाइल्ड लाइन सुल्तानपुर के प्रशांत व पूजा व रीता मौर्य को सौपा। चाइल्डलाइन ने उन बच्चों को न्याय पीठ बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया, न्याय पीठ न्यायिक मजिस्ट्रेट शिव मूर्ति पांडे न्यायिक मजिस्ट्रेट ममता मिश्रा व ओमप्रकाश तिवारी सरिता यादव तथा अध्यक्ष न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेंद्र प्रसाद शुक्ला आदि सभी ने अथक प्रयास करके उन बच्चों के माता–पिता की खोज की। जो बनारस जनपद के ग्राम फारूकी नगर बजराडीह बनारस के हैं पिता का नाम जावेद वह माता नाजो प्रवीण को सौपा गया। बच्चों को पाकर माता–पिता खुश हुए सभी को धन्यवाद देते हुए बनारस गए उक्त कार्य में पीएलबी सुभाष चंद्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विवेचकों के भ्रष्टचार से नहीं खुल पा रहा नीतेश हत्याकांड का राज

प्रतापगढ़। जिले के पट्टी कोतवाली के शेषपुर अठगवां गांव के होनहार नीट प्रतियोगी छात्र नितेश मिश्रा की मौत का राज अब तक नहीं खुल सका। घटना वाराणसी के भेलूपुर शुकुलपुर सुंदरपुर में तब हुई थी, जब छात्र वहां एक हास्टल में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। वाराणसी पुलिस की संवेदनहीनता, भ्रष्टाचार व मनमानी के कारण परिवार को अब तक न्याय नहीं मिल पाया, लेकिन परिवार ने भी न्याय मिलने तक संघर्ष के लिए कमर कस ली है। बारह जुलाई 2022 की शाम उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। वह हास्टल के आंगन में मृत मिला था। घर वाले इसे हत्या बता रहे थे, लेकिन हास्टल संचालक व वहां की पुलिस छत से गिरने से मौत का राग अलाप रही थी। किसी तरह जब परिवार ने हास्टल संचालक समेत अन्य पर नामजद केस दर्ज कराया तो भी तत्कालीन विवेचक दारोगा रमाकांत दुबे ने भ्रष्टाचार का सुरक्षा कवच आरोपितों को देने में कसर नहीं छोड़ी। नीतेश पढ़ने में अच्छा था। अच्छी सोच का मेधावी युवक था। उससे परिवार को बड़ी उम्मीदें थीं, जो अचानक उसकी हत्या से बिखर गईं। पहले तो भेलूपुर पुलिस ने मामले को टाला, घटनास्थल से खून के निशान मिटाए और यही नहीं तहरीर मिलने के आठ दिन बाद बहुत दबाव पड़ने पर हत्या का केस दर्ज किया। बिना जांच के ही रमाकांत दुबे ने इसे छत से गिरने की घटना साबित करने का हर हथकंडा अपनाया, लेकिन नीतेश के चाचा रवींद्र मिश्र ने भेलूपुर थाने में ग्यारह नामजद व एक अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। हद तो यह हुई कि तत्कालीन विवेचक रमाकांत ने आरोपितों से मिलकर मामले में केवल अठारह दिन में फाइनल रिपोर्ट लगाकर अदालत में पेश कर दी। मृतक नीतेश के चाचा रवींद्र मिश्रा ने बताया कि न्याय की लड़ाई को तेज करते हुए वहां के सीजेएम कोर्ट में प्रोटेस्ट दाखिल किया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने स्वीकार किया व फाइनल रिपोर्ट खारिज कर दी। अग्रिम विवेचना का आदेश दिया। इसके बाद विवेचना चौंक इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा को मिली। उन्होंने भी पहले की रिपोर्ट पर मुहर लगा दी। इस पर परिवार ने तीसरी बार मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र दिया। न्यायालय ने पुनः फाइनल रिपोर्ट रिजेक्ट करते हुए फिर से विवेचना का आदेश किया। पीड़ित सारे प्रकरण को लेकर परिवार इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ की शरण में चला गया। वहां अधिवक्ता आशीष कुमार मिश्रा व संजय द्विवेदी ने जब पूरा घटनाक्रम व वाराणसी पुलिस की लीपापोती के बारे में बताया तो न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा व न्यायमूर्ति डा. गौतम चौधरी की खंडपीठ ने पुलिस कमिश्नर वाराणसी को नोटिस जारी कर दी। छात्र के पिता धर्मेंद्र मिश्र ने बताया कि इस प्रकरण में अब तक हुई जांच रिपोर्ट व निष्पक्षता से जांच कराते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश कोर्ट ने पुलिस को दिया है। इससे परिवार को न्याय की उम्मीद जगी है। इस प्रकरण में ईश्वर का न्याय तो शुरू भी हो चुका है। भ्रष्ट विवेचक रमाकांत लूट के एक बड़े कांड में संलिप्त पाए जाने पर सेवा से बर्खास्त तक हो चुका है।

डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन ने सीएमओ को सौंपा 24 सूत्रीय मांगपत्र

सुलतानपुर (एजेंसी)। डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आव्हान पर 24 सूत्रीय मांगों को लेकर जिला शाखा सुलतानपुर द्वारा आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय पर एक दिवसीय धरना देकर मुख्यमंत्री को 24 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रेषित किया गया। धरने में डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन के जनपद के समस्त सदस्यों ने प्रतिभाग किया गया। धरना स्थल पर कमचारियों को संबोधित करते हुए लक्ष्मण स्वरुप श्रीवास्तव ने कहा कि फार्मेसिस्ट संवर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रदेश में कार्यरत फामेसिस्टो एवं संवर्ग में उच्च पदों के वेतन मान पद योग्यता एवं कार्य दायित्व के अनुरूप प्रदान न किये जाने पर रोष व्यक्त किया। शशिकांत मिश्रा अध्यक्ष ने कहा कि चिकित्सकों की अनुपस्थिति में फार्मेसिस्टो को रुपए 75ध्के स्थान पर रुपए 750ध्प्रतिमाह भत्ता दिया जाय। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय गौतम ने कहा प्रत्येक ट्रामा सेन्टर में फार्मेसिस्ट के तीन पद एवं चीफ फार्मेसिस्ट के 2 पदों का मानक बनाकर पद सृजित किया किया जाए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिवाकर यादव ने कहा कि वर्ष 2005 के बाद से फामेसिस्टो की वरिष्ठता सूची जारी किया जाय तथा राष्ट्रीय कार्यक्रमो, जैसे डाट्स मानसिक रोग क्लिनिक आदि में दवाओं का रख रखाव फार्मेसिस्ट को दिया जाय। दीपक त्रिपाठी संयुक्त मंत्री ने कहा कि जनपदों मे नान फंकसनल वेतन मान,स्थाई करण, वार्षिक वेतन वृद्धि,जी पी एफ के भुगतान, सेवा निवृत्त के बाद देयकों का भुगतान तथा एसीपी का भुगतान समय से कराया जाए। फार्मेसिस्टो से डियूटी लिस्ट के अनुसार कार्य लिया जाए सभा के अंत में 24 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रेषित किया गया सभा का संचालन राज्य कर्मचारी कल्याण समिति चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष ओमप्रकाश गौड़ ने किया अध्यक्षता शशिकांत मिश्रा अध्यक्ष ने किया। सभा में शामिल सदस्य श्री ब्रह्मा नन्द त्रिपाठी,जग विजय वर्मा, राम प्रकाश उपाध्याय, विजय साहू बृजेश पांडेय, अशोक चौरसिया, अखिलेश सिंह, संजय यादव, शीतला वर्मा, दिलीप श्रीवास्तव चीफ फार्मेसिस्ट, रुद्र शंकर, ब्रह्म शंकर यादव, उमेश त्रिपाठी,के पी पांडे, रितेश मिश्रा, शोभनाथ मिश्रा, संतोष उपाध्याय, एवं पूर्व अध्यक्ष डा के के तिवारी, पूर्व चीफ फार्मेसिस्ट आर बी सिंह टी एन मौर्या आदि उपस्थित थे।

बेटी जो बढ़े, तो दूनिया बढे, हर बेटी के कदम से ये धरा सहे

सुलतानपुर (एजेंसी)। डीएम कृतिका ज्योत्स्ना के कुशल निर्देशन में उपस्थित छात्राओंध्महिलाओं एवं अन्य लोगों को शपथ दिलाकर बेटियों के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत विभागीय योजनाओं का प्रचार–प्रसार कार्यक्रम, वन स्टाप सेंटर, निजाम पट्टी पांचोपिरन, सुलतानपुर में जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी डॉ0 आर0 ए0 वर्मा की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिलाध्यक्ष द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत प्रति समाज में लोगों की मानसिकता में बदलाव लाने हेतु अपील की गयी। अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि हमारे समाज में बेटियां कभी भी कमजोर नहीं रहीं हैं। "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" का मतलब सिर्फ बेटियों को बचाना नहीं हैं, बल्कि उन्हें अत्मनिर्भर और सशक्त बनाना भी है। जैसे–हमारे महान कवि कविन्द्र नाथ ठाकुर ने कहा था–"बेटी जो बढ़े, तो दूनिया बढे, हर बेटी के कदम से ये धरा सहे"। हम सभी जानते है कि एक बेटी शिक्षा प्राप्त करती है तो वह न केवल आपनी स्थति, को सुधारती है बल्कि समाज मेंभी परिवर्तन लाती है। हर बेटी को पढ़ने का अधिकार है और जब हम उसे शिक्षित करेंगे, तो यह हमारे समाज के लिए एक नयी सुबह होगी। शिक्षा से बेटियां न केवल अपने सपनों को पूरा कर सकती है बल्कि वह अपने परिवार और समाज के लिए भी एक प्रेरणा का श्रोत भी बन सकती है। इस लिए हमें इस अभियान को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि हम सभी मिलकर अपने देश और समाज को एक नई दिशा दे सकें। जैसे कि वर्तमान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू राजपाल आनंदी बेन पटेल जनपद की जिलाधिकारी सहित अन्य क्षेत्रों जैसे–डॉक्टर, इंजिनियर, वैज्ञानिक, महिला पायलट, अंतरिक्ष आदि अपनी उत्कृष्ट सेवाए प्रदान कर रहीं है।

जरूरतमंदो को निःशुल्क भोजन की थाल वितरित

सुलतानपुर (एजेंसी)। जिले की अग्रणी सामाजिक संगठन राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ द्वारा संचालित निःशुल्क रसोई अंतर्गत साप्ताहिक कार्यक्रम में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जिला अस्पताल और रेलवे स्टेशन परिसर में मरीजों तीमारदारो यात्रियों तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन की थाल वितरित करने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में इस बृहस्पतिवार को सगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ता सेवानिवृत आई बी सत्यप्रकाश वर्मा ने अपने पिता सेवानिवृत शिक्षक स्वर्गीय महेंद्र प्रताप वर्मा के पुण्य स्मृति में एक दिन का भोजन की थाल देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने लोगो से अपील किया कि अपने प्रियजनों के आत्मा की शांति और पुण्य पहुंचाने के लिए भोजन वितरण कार्य सबसे जरूरतमंद पात्र लोगों के लिए राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ उपयुक्त मंच है। उधर रेलवे स्टेशन पर वरिष्ठ टिकट निरीक्षक साहिल कुमार और टीसी शिव चरण ने भोजन की थाल वितरित किया।

सत्य प्रकाश वर्मा ने कहा कि समाज के सम्पन्न लोगों से अपील किया प्रियजनों के पुण्य के लिए शान शौकत के बजाय यदि हम वास्तविक पात्र जरूरतमंदो निःशुल्क भोजन उपलब्ध करा पुण्य पहुंचाया जा सकता है। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के मार्गदर्शक निजाम खान ने बताया कि निःशुल्क भोजन के मेन्यू में अरहर की दाल ,आलू हरी मटर की मिक्स सब्जी रोटी और चावल की 410 थाली वितरित की गई। इस मौके पर प्रदीप श्रीवास्तव,सत्य प्रकाश वर्मा, राशिद खान, हाजी मुज्तबा अंसारी, अब्दुल वदूद मिलियन टेलर, सरदार गुरुप्रीत सिंह, राज कुमार यादव, आसिफ, सुलतान महमूद खान कैफी, अबरार अहमद माता प्रसाद जायसवाल, बैजनाथ प्रजापति राशिद वर्दी टेलर आदि का मुख्य सहयोग रहा।

एएमयू के प्रोफेसर रिजवान हसन को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

अलीगढ़, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अंतःविषयी जैव प्रौद्योगिकी इकाई के प्रोफेसर रिजवान हसन खान को अलीगढ़ के मंगलायतन विश्वविद्यालय में बायोफार्मास्युटिकल्स और मानव स्वास्थ्य के लिए अनुवाद संबंधी अनुसंधान में उभरते रुझानों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ईटीबीटीआरएच–2024) में "लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड" से सम्मानित किया गया है। उन्हें प्रोटीन जैव रसायन और मानव स्वास्थ्य के लिए अनुवाद संबंधी अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान, शिक्षा और उन्नति में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।प्रोफेसर खान ने अपने 26 वर्षों से अधिक के विशिष्ट शैक्षणिक करियर के साथ एक प्रख्यात वैज्ञानिक और शिक्षाविद के रूप में नाम कमाया है, और शिक्षण और अनुसंधान दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। एक संरक्षक के रूप में, उन्होंने 29 पीएचडी शोधार्थियों, 70 से अधिक स्नातकोत्तर छात्रों, जिनमें कई एमडी उम्मीदवार और कई पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता शामिल हैं, का मार्गदर्शन किया है। विज्ञान को आगे बढ़ाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके विपुल शोध आउटपुट में स्पष्ट है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में उनके 430 से अधिक प्रकाशित लेख शामिल हैं, जिनमें लगभग 17,200 की प्रभावशाली उद्धरण संख्या, 70 का एच–इंडेक्स और 395 का आई10–इंडेक्स शामिल है। उनके अभिनव योगदान के परिणामस्वरूप दो राष्ट्रीय पेटेंट प्राप्त हुए हैं जो प्रभावशाली शोध को आगे बढ़ाने के लिए उनके समर्पण को दर्शाता है। प्रोफेसर खान की शोध रुचि में प्रोटीन बायोकेमिस्ट्री की समझ शामिल है, जिसमें प्रोटीन फोल्डिंग और मिसफोल्डिंग, एकत्रीकरण, एमाइलॉयड गठन, प्रोटीन–ड्रग इंटरैक्शन और संरचना–कार्य संबंध जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।उनके अध्ययनों ने एमाइलॉयड से संबंधित बीमारियों से निपटने के लिए चिकित्सीय दृष्टिकोण विकसित करने में योगदान दिया है, जिससे उनका शोध ट्रांसलेशनल मेडिसिन में अत्यधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और मान्यताएँ प्राप्त हुई हैं जिनमें "यूजीसी मिड–कैरियर अवार्ड" (2018), "मालवीय मेमोरियल अवार्ड" (2020), और "एम. विजयन लेक्चर अवार्ड" (2022) शामिल हैं। उनके अन्य पुरस्कारों में वीनस इंटरनेशनल फैकल्टी अवार्ड्स (2018) द्वारा "डिस्टिंग्विश्ड फैकल्टी इन साइंस अवार्ड", वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन (2015) द्वारा "डिस्टिंग्विश्ड साइंटिस्ट अवार्ड", करियर360 (2017–18) द्वारा "भारत के सबसे उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार" और सर सैयद डे स्मारक बैठक (2015) में "आउटस्टैंडिंग रिसर्चर ऑफ द ईयर अवार्ड" शामिल हैं।

आर्य समाज में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित

सुलतानपुर (एजेंसी)। आर्य समाज के तत्वावधान में चल रहे वार्षिकोत्सव के समापन दिवस पर अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ) अरविंद चतुर्वेदी के संजोजन में आयोजित विविध प्रतियोगिताओं यथा वेद मंत्र पाठ, एकल भजन समुह भजन और सम्भाषण प्रतियोगिताओ के विजेता प्रतिभागियो जिन्होंने प्रथम, द्वितीय, तृतीय व सांत्वना स्थान प्राप्त किया। उन सभी को मुख्य अतिथि हृदय रोग विशेषज्ञ भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ आर ए वर्मा, विशिष्ट अतिथि कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा विशिष्ट अतिथि डॉक्टर सुधाकर सिंह एवम डॉक्टर ओंकार नाथ द्विवेदी ने पुरस्कृत किया। प्रथम स्थान पर वेद मंत्र पाठ में प्रायमरी स्तर पर अदिति मिश्रा, जूनियर में सोनम व आख्या शर्मा, माध्यमिक स्तर पर प्रथम स्थान श्वेता दुबे ने प्राप्त किया। एकल भजन में प्रथम स्थान प्राइमरी में शगुन शर्मा जूनियर में किंजल सोनाक्षी व दृष्टि, माध्यमिक में काजल व जिकरा मोहम्मदी रहे।

इसी प्रकार सम्भाषण में प्राइमरी में सोमेश कुशवाहा जूनियर में प्रांजल तथा माध्यमिक स्तर पर रिद्धि व कार्तिकेय रहे! समुह भजन में प्राइमरी में गुरु नानक विद्यालय, जूनियर स्तर पर दयानंद विद्यालय व गुरु नानक विद्यालय और माध्यमिक में प्रथम स्थान पर गुरु नानक विद्यालय रहा। इस अवसर पर साध्वी स्नेहा आर्य ने अपने भजन प्रभु प्यारे से जिसका संबंध है उसे हरदम आनंद ही आनंद है द्वारा सबको मंत्र मुक्त कर दिया। पंडित नेम प्रकाश ने शब्दभेदी बाण द्वारा उपस्थित भारी समुदाय को अश्चर्यचकित और प्रफुल्लित कर दिया।

GST Council बीमा 'प्रीमियम' पर कर में कटौती, कई वस्तुओं पर दर में बदलाव का करेगी फैसला

जीएसटी परिषद अपनी बैठक में जीवन व स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर कर की दर कम करने, महंगी कलाई घड़ियों और जूतों पर कर की दर बढ़ाने तथा अहितकर वस्तुओं के लिए अलग से 35 प्रतिशत कर लगाने पर विचार कर सकती है। जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में करीब 148 वस्तुओं में दर फेरबदल पर चर्चा होने की संभावना है।

जैसलमेर (राजस्थान) । जीएसटी परिषद अपनी बैठक में जीवन व स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर कर की दर कम करने, महंगी कलाई घड़ियों, जूतों और परिधानों पर कर की दर बढ़ाने तथा अहितकर वस्तुओं के लिए अलग से 35 प्रतिशत कर लगाने पर विचार कर सकती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में करीब 148 वस्तुओं में दर फेरबदल पर चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा, विमानन उद्योग की परिचालन लागत के एक प्रमुख घटक एविएशन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने पर भी विचार–विमर्श किया जाएगा।स्विगी और जोमैटो जैसे खाद्य वितरण मंचों पर जीएसटी दर को वर्तमान 18 प्रतिशत (आईटीसी के साथ) से घटाकर पांच प्रतिशत (इनपुट टैक्स क्रेडिट के बिना) करने का प्रस्ताव है। सूत्रों के अनुसार, फिटमेंट कमेटी (जिसमें केंद्र और राज्यों के कर अधिकारी शामिल हैं) ने इस्तेमाल की गई इलेक्ट्रिक गाड़ियों के साथ–साथ छोटे पेट्रोल तथा डीजल वाहनों की बिक्री पर मौजूदा 12 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की दर बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। इस बढ़ोतरी से पुरानी छोटी कारें तथा इलेक्ट्रिक वाहन पुराने बड़े वाहनों के बराबर हो जाएंगे। इसके अलावा, जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए जून 2025 तक छह महीने का विस्तार मिलने की संभावना है।क्षतिपूर्ति उपकर व्यवस्था मार्च 2026 में समाप्त हो जाएगी और जीएसटी परिषद ने उपकर के भविष्य के पाठ को तय करने के लिए केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के नेतृत्व में मंत्रियों की एक समिति का गठन किया है। जीएसटी व्यवस्था में, अहितकर वस्तुओं पर 28 प्रतिशत कर के अलावा विभिन्न दरों पर क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। उपकर से प्राप्त आय जिसे मूल रूप से जीएसटी लागू होने के बाद पांच साल या जून 2022 तक के लिए नियोजित किया गया था...इसका इस्तेमाल जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों को हुए राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए किया गया।बैठक में एक प्रमुख मुद्दा स्वास्थ्य तथा जीवन बीमा पर जीएसटी दर तय करना है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में परिषद द्वारा गठित मंत्री समूह ने नवंबर में अपनी बैठक में टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों के लिए भुगतान किए जाने वाले बीमा प्रीमियम को जीएसटी से छूट देने पर सहमति जताई थी। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों द्वारा स्वास्थ्य बीमा 'कवर' के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम को भी कर से छूट देने का प्रस्ताव किया गया है। वरिष्ठ नागरिकों के अलावा अन्य व्यक्तियों द्वारा पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर जीएसटी से छूट देने का भी प्रस्ताव है।मंत्रियों के समूह ने परिधानों पर कर दरों को तर्कसंगत बनाने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने 1,500 रुपये तक की लागत वाले तैयार कपड़ों पर पांच प्रतिशत जीएसटी जबकि 1500 रुपये से 10000 रुपये तक की लागत वाले कपड़ों पर 18 प्रतिशत जीएसटी का प्रस्ताव रखा है। वहीं 10,000 रुपये से अधिक कीमत वाले परिधानों पर 28 प्रतिशत कर लगेगा। मंत्री समूह ने 15,000 रुपये प्रति जोड़ी से अधिक कीमत वाले जूतों पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत करने का भी प्रस्ताव रखा है। 19 अक्टूबर को हुई पिछली बैठक में 25,000 रुपये से अधिक मूल्य की कलाई घड़ियों पर जीएसटी दर 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत करने का भी प्रस्ताव किया गया था।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने Starbucks के भारत से बाहर निकलने की खबरों को खारिज किया

टीसीपीएल ने भारतीय बाजार से रेस्तरां शृंखला स्टारबक्स के बाहर निकलने की खबरों का खंडन करते हुए उन्हें 'निराधार' बताया। टाटा, अमेरिका स्थित स्टारबक्स कॉरपोरेशन के साथ 50रू50 संयुक्त उद्यम में स्टारबक्स ब्रांड नाम के तहत भारत में शृंखला का संचालन करती है। सितंबर के अंत तक स्टारबक्स के 70 शहरों में 457 स्टोर थे।

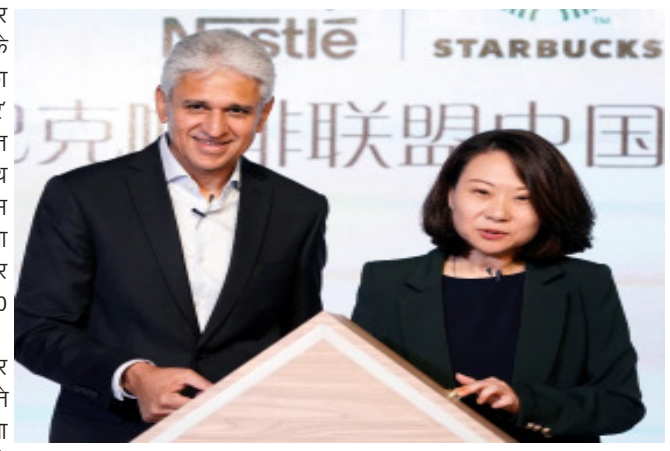

नयी दिल्ली । टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने भारतीय बाजार से रेस्तरां शृंखला स्टारबक्स के बाहर निकलने की खबरों का खंडन करते हुए उन्हें 'निराधार' बताया। टाटा, अमेरिका स्थित स्टारबक्स कॉरपोरेशन के साथ 50रू50 संयुक्त उद्यम में स्टारबक्स ब्रांड नाम के तहत भारत में शृंखला का संचालन करती है। सितंबर के अंत तक स्टारबक्स के 70 शहरों में 457 स्टोर थे और कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027–28 तक इसे 1,000 तक ले जाने का है। वित्त वर्ष 2023–24 में कंपनी की परिचालन आय 12 प्रतिशत बढ़कर 1,218.06 करोड़ रुपये रही थी।हालांकि, विस्तार के कारण इस अवधि में इसका घाटा वित्त वर्ष 2022–23 में 24.97 करोड़ रुपये से बढ़कर 79.97 करोड़ रुपये हो गया। व्यापार आसूचना मंच टॉफलर के माध्यम से प्राप्त वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, इसका विज्ञापन प्रचार खर्च 26.8 प्रतिशत बढ़कर 43.20 करोड़ रुपये हो गया और रॉयल्टी 86.15 करोड़ रुपये रही। पिछले महीने टीसीपीएल के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुनील डिसूजा ने पीटीआई–को बताया था कि वह यहां स्टारबक्स शृंखला को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे और स्टोर की लाभप्रदता पर विचार नहीं कर रहे हैं।

कौन होगा जय शाह का उत्तराधिकारी? अब BCCI की बैठक में हो जाएगा फैसला

बीसीसीआई सचिव का पद खाली पड़ा है। अभी कुछ हफ्ते पहले ही बीसीसीआई के प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी ने देवजीत सैकिया को अंतरिम सचिव के तौर पर नियुक्त किया था। लेकिन ये भी कहा था कि जल्द से जल्द सचिव पद के लिए स्थायी नियुक्ति होगी। इस बीच एक नया अपडेट आया है कि बोर्ड के नए सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए 12 जनवरी को बोर्ड एक मीटिंग करेगा।

जय शाह ने 1 दिसंबर 2024 से आईसीसी के चेयरमैन का पद संभाल लिया है। वहीं अब इसके बाद बीसीसीआई सचिव का पद खाली पड़ा है। अभी कुछ हफ्ते पहले ही बीसीसीआई के प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी ने देवजीत सैकिया को अंतरिम सचिव के तौर पर नियुक्त किया था। लेकिन ये भी कहा था कि जल्द से जल्द सचिव पद के लिए स्थायी नियुक्ति होगी। इस बीच एक नया अपडेट आया है कि बोर्ड के नए सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए 12 जनवरी को बोर्ड एक मीटिंग करेगा।

बीसीसीआई का संविधान कहता है कि किसी भी खाली पद पर 45 दिनों के भीतर नई नियुक्ति होना जरूरी है। पीटीआई के हवाले से एक राज्य क्रिकेट संघ ने बताया कि, गुरुवार को हुई काउंसिल मीटिंग के बाद सभी राज्यों के क्रिकेट संघ को स्पेशल जनरल मीटिंग के संबंध में संदेश भेजा गया। 12 जनवरी को बोर्ड के हेडक्वार्टर्स में मीटिंग करवाई जाएगी। बता दें कि, जय शाह के साथ–साथ आशीष शेलार ने कोषाध्यक्ष पद छोड़ दिया था जिन्हें हाल ही में बनी नई सरकार में कैबिनेट मंत्री पद मिला है।

इसी रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड ने संदेश में लिखा कि, चूंकि सचिव और कोषाध्यक्ष पद खाली हो गए हैं इसलि स्पेशल जनरल मीटिंग में चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से इन पदों को भरा जाना जरूरी है। बोर्ड ने इन आंतरिक चुनावों के लिए पूर्व चुनाव आयुक्त अछल कुमार ज्योति को चुनाव अधिकारी घोषित किया है। बता दें कि, अचल जुलाई 2017 से लेकर जनवरी 2018 तक भारत के चुनाव आयुक्त रहे।

एलन मस्क से लेकर बिल गेट्स तक, ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इडेक्स के अनुसार दुनिया के सबसे अमीर लोग

इस पूरे वर्ष भर शीर्ष 10 अमीर उद्योगपतियों की सूची में कई दिग्गज शामिल हुए और कई इस सूची से बाहर हुए। वर्ष 2024 के अंत से पहले जानते हैं कि इस वर्ष किन उद्योगपतियों ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस बार शीर्ष 10 में आठ उद्योगपति प्रौद्योगिकी विभाग से है।

वर्ष 2024 कुछ ही दिनों में खत्म होने वाला है और 2025 शुरू होने वाला है। नए साल का स्वागत करने से पहले ये जानना जरुरी है कि इस वर्ष माता लक्ष्मी ने किन उद्योपतियों पर अपनी कृपा बनाए रखी है। विश्व के शीर्ष 10 सबसे अमीर व्यक्तियों की सूची में इस वर्ष कौन लोग शामिल हुए है।

इस पूर वर्ष भर शीर्ष 10 अमीर उद्योगपतियों की सूची में कई दिग्गज शामिल हुए और कई इस सूची से बाहर हुए। वर्ष 2024 के अंत से पहले जानते हैं कि इस वर्ष किन उद्योगपतियों ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। बता दें कि इस बार शीर्ष 10 में आठ उद्योगपति प्रैद्योगिकी विभाग से है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार दुनिया के शीर्ष 10 सबसे अमीर लोगों की पूरी सूची ये है।

– एलन मस्क– 486 बिलियन डॉलर

– जेफ बेजोस – 250 बिलियन डॉलर

– मार्क जकरबर्ग – 219 बिलियन डॉलर

– लैरी एलिसन – 193 बिलियन डॉलर

– बर्नार्ड अरनॉल्ट – 179 बिलियन डॉलर

– लैरी पेज – 174 बिलियन डॉलर

– बिल गेट्स – 165 बिलियन डॉलर

– सर्गी ब्रीन– 164 बिलियन डॉलर

– स्टीव बालमर – 157 बिलियन डॉलर

– वॉरेन बफेट – 143 बिलियन डॉलर

एलन मस्क इस पूरे वर्ष चर्चा में रहे है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एलन मस्क ने खुले तौर पर पुरे चुनाव के दौरान समर्थन किया था। टेस्ला और स्पेस एक्स के संस्थापक ने इस वर्ष सबसे अमीर व्यक्ति रहे है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में उन्हें शीर्ष स्थान मिला है।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.98 अरब डश्लर घटकर 652.86 अरब डालर पर आया

रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 13 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.04 अरब डॉलर घटकर 562.57 अरब डॉलर रहीं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह में 1.98 अरब डॉलर घटकर 652.87 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।इससे पिछले सप्ताह में, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.23 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 654.85 अरब डॉलर रहा था। पिछले कुछ सप्ताह से विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आ रही है।पुनर्मूल्यांकन होने के साथ रुपये में उतार–चढ़ाव कम करने के लिए आरबीआई द्वारा विदेशी मुद्रा बाजार में किए गए हस्तक्षेप को इसकी वजह माना जा रहा है। सितंबर में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 13 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.04 अरब डॉलर घटकर 562.57 अरब डॉलर रहीं।डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर–अमेरिकी मुद्राओं की घट–बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.12 अरब डॉलर बढ़कर 68.05 अरब डॉलर हो गया।विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.5 करोड़ डॉलर घटकर 17.99 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 2. 7 करोड़ डॉलर घटकर 4.24 अरब डॉलर रहा।

अगले साल के लिए अपनी उम्मीदों को कुछ कम करें शेयर बाजार निवेशक : HDFC Securities

इक्विटी निवेशकों को वर्ष 2025 में अपने रिटर्न या प्रतिफल की उम्मीदों को कुछ कम करने की जरूरत है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला निफ्टी वर्ष 2025 के अंत में 26,482 अंक पर रहने की उम्मीद है, जो बृहस्पतिवार के 23,951.70 अंक के बंद स्तर से 10 प्रतिशत से अधिक की छलांग है।मुंबई । कई साल के तेजड़िया दौर के बाद अब इक्विटी निवेशकों को वर्ष 2025 में अपने रिटर्न या प्रतिफल की उम्मीदों को कुछ कम करने की जरूरत है। एक घरेलू ब्रोकरेज कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला निफ्टी वर्ष 2025 के अंत में 26,482 अंक पर रहने की उम्मीद है, जो बृहस्पतिवार के 23,951.70 अंक के बंद स्तर से 10 प्रतिशत से अधिक की छलांग है।एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी धीरज रेली ने कहा कि 2025 में किसी भी अन्य परिसंपत्ति वर्ग की तुलना में शेयरों का प्रदर्शन बेहतर होगा, और भारत की दीर्घकालिक कहानी भी बरकरार है। रेली ने कहा, ''अबतक कई वर्षों से, बाजारों ने उच्च लाभ सुनिश्चित किया है। नए साल में, निवेशकों को अपनी उम्मीदों को कम करना होगा।'' रेली ने कहा कि बाजार में अधिकांश निवेशक वे हैं, जिन्होंने वर्ष 2020 के बाद बाजार में प्रवेश किया है और उन्होंने अपनी निवेश यात्रा में कभी भी तेज गिरावट नहीं देखी है।

अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज ्रंसीुं थ्तववुप पर अंपायर के फैसले का विरोध करने के लिए लगा जुर्माना

फजलहक फारूकी पर हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे वनडे के दौरान अंपायर के फैसले का विरोध करने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। फारूकी पर आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया।दुबई । अफगानिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी पर हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे वनडे के दौरान अंपायर के फैसले का विरोध करने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। फारूकी पर आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया। यह उल्लंघन खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 के अंतर्गत आता है।

जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। यह घटना बृहस्पतिवार को जिम्बाब्वे की पारी के पांचवें ओवर में हुई जब फारूकी की क्रेग इरविन के खिलाफ पगबाधा की अपील को ठुकरा दिया गया और उन्होंने इसका विरोध किया। मैच में डीआरएस उपलब्ध नहीं है, इसके बावजूद फारूकी ने रिव्यू का इशारा किया। फारूकी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमैरिट अंक भी जोड़ दिया गया जिनका यह 24 महीने में पहला उल्लघंन था। उन्होंने मैच रैफरी एंडी पाइक्रोफ्ट द्वारा प्रस्तावित यह जुर्माना स्वीकार कर लिया।

एयरलाइन कंपनियों ने संशोधित ड्यूटी मानक लागू करने की समयसीमा बढ़ाने की मांग की

प्दकपळवप्रतिरूप फोटो।छप्
प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क । क्मब 20 2024 2रू35च्ड

स्पाइसजेट और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने संशोधित उड़ान ड्यूटी मानकों के चरणबद्ध क्रियान्वयन के लिए नियामक से अधिक समय देने की मांग की है। एयरलाइंस ने चालक दल की जरूरतों में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए पायलटों के बीच थकान की निगरानी के लिए थकान जोखिम प्रबंधन प्रणाली लागू करने की जरूरत पर बल दिया है।

मुंबई। नयी दिल्ली । इंडिगो, एयर इंडिया, स्पाइसजेट और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने संशोधित उड़ान ड्यूटी मानकों के चरणबद्ध क्रियान्वयन के लिए नियामक से अधिक समय देने की मांग की है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एयरलाइंस ने चालक दल की जरूरतों में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए पायलटों के बीच थकान की निगरानी के लिए थकान जोखिम प्रबंधन प्रणाली लागू करने की जरूरत पर बल दिया है। सूत्रों ने कहा कि एयरलाइन कंपनियों ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को सूचित किया है कि संशोधित उड़ान ड्यूटी मानकों को जल्द–से–जल्द जून, 2025 से चरणबद्ध ढंग से लागू किया जा सकता है।

हालांकि, इन मानकों को इस साल जून से ही लागू होना था लेकिन एयरलाइन कंपनियों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए इसकी समयसीमा आगे बढ़ा दी गई थी। इस बीच, सूत्रों ने कहा कि पायलटों के तीन संगठनों ने डीजीसीए से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि नए नियम 15 फरवरी से पूरी तरह से लागू हो जाएं। पायलट संगठनों का कहना है कि फरवरी के मध्य तक कोहरे का मौसम समाप्त हो जाएगा। उनका मानना घ्है कि जिस प्रावधान के तहत मानदंडों को संशोधित किया गया है, वह थकान जोखिम प्रबंधन प्रणाली (एफआरएमएस) से स्वतंत्र है और दोनों को एक साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

डीजीसीए की संशोधित उड़ान ड्यूटी समयसीमा (एफडीटीएल) का मामला दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष है, जो भारतीय पायलट गिल्ड, भारतीय वाणिज्यिक पायलट संघ और भारतीय पायलट संघ द्वारा दायर संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। न्यायालय के निर्देश के बाद 18 दिसंबर को डीजीसीए ने एक बैठक बुलाई थीजिसमें एयरलाइंस, पायलट संगठनों और नागर विमानन मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। संशोधित मानदंडों पर मतभेद ऐसे समय में सामने आए हैं जब एयरलाइंस अपने बेड़े और नेटवर्क का विस्तार कर रही हैं। ऐसी स्थिति में बढ़ती हवाई यातायात मांग को पूरा करने के लिए अधिक पायलटों की जरूरत होगी।

आईओए के मामले सुलझाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं: जूनियर खेल मंत्री ्रींकेम

नयी दिल्ली । युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने यहां कहा कि सरकार 2036 ओलंपिक खेलों के लिए मजबूत और सफल बोली सुनिश्चित करने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में मतभेदों को सुलझाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा का कार्यकारिणी के उन 12 सदस्यों के साथ तनातनी चल रही है जिन्होंने रघुराम अय्यर की आईओए के सीईओ के रूप में नियुक्ति को मंजूरी नहीं दी है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के सामने अच्छी छवि पेश नहीं हो रही है।यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत 2036 में होने वाले ओलंपिक खेल और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी की दौड़ में शामिल है। भारत ने खेलों की मेजबानी करने के लिए आईओसी के भविष्य के मेजबान आयोग को आशय पत्र सौंप दिया है। अंतरराष्ट्रीय संस्था के साथ कई बार की बातचीत के बाद भारत ने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया। खडसे ने कहा, ''मुझे लगता है कि हर कोई मिलकर काम करने की कोशिश में लगा है और हम आईओए के मसलों को सुलझाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मंत्रालय सभी मतभेद और मसलों को सुलझाने के लिए प्रयासरत है ताकि भारत में एक बड़ी खेल प्रतियोगिता के आयोजन का लक्ष्य हासिल किया जा सके।''उन्होंने कहा, ''इसके लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। हमें इस (ओलंपिक) बोली को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाने की जरूरत है।'' भारत आईओसी को आशय पत्र सौंपने के साथ ही मेजबान चुनाव प्रक्रिया के अनौपचारिक संवाद से निरंतर संवाद चरण में पहुंच गया है। खडसे ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भारतीय खेलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है

फिल्म बेटा के गाने ने माधुरी को बनाया धक-धक गर्ल

C,लीवुड की कई फिल्में और गाने ऐसे रहे हैं, जो ऑडियंस के दिलों– दिमाग पर एक अलग छाप छोड़ जाते हैं। बाद में एक्ट्रेसेज को इन्हीं नामों से याद भी रखा जाता है। ऐसा ही कुछ साल 1992 में माधुरी के साथ हुआ था। साल 1992 में आई फिल्म 'बेटा'में माधुरी ने एक गाने पर डांस किया था, जिसके बाद उनका नाम ही 'धक धक' गर्ल पड़ गया था। बता दें कि खुद श्रीदेवी को भी कहीं न कहीं ये अहसास तो हुआ होगा कि उन्होंने ये फिल्म क्यों नहीं की लेकिन माधुरी दीक्षित के लिए तो ये सुनहरा मौका साबित हुआ था। अनिल कपूर के करियर को भी फिल्म से नई दिशा मिली थी। विकिपीडिया के अनुसार, इस फिल्म का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 20 करोड़ रुपये था। इस फिल्म की सफलता के बाद एक्ट्रेस जहां भी जाती थीं, उन्हीं इसी नाम से पुकारा जाने लगा था। फिल्म में माधुरी दीक्षित ने अनिल कपूर की पत्नी का रोल निभाया था। फिल्म बेटा उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। फिल्म के गाने भी काफी हिट हुए थे। एक गाना तो माधुरी दीक्षित के करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुआ था। फिल्म का वो गाना था। 'धक धक करने लगा' इस गाने ने उस दौर में इतना बवाल मचाया था कि माधुरी दीक्षित रातों– रात स्टार बन गई थीं। इंद्र कुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने ताबड़तोड़ कमाई की थी। खुद इंद्र कुमार ने कोमल नाहटा संग इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया था कि वह इस फिल्म में श्रीदेवी को कास्ट करना चाहते थे लेकिन उन्होंने इस फिल्म में काम करने से इनकार कर दिया था। बोनी कपूर ने उनसे बहुत झगड़ा भी किया लेकिन वो नहीं मानी थीं। इंद्र ने बताया कि बाद में माधुरी दीक्षित को फिल्म में कास्ट किया गया। इस फिल्म की सफलता के बारे में तो सभी ने सोचा होगा। लेकिन ऐसी सफलता के लिए तो खुद मैंने भी नहीं सोचा था। हालांकि इसको बनाने से पहले काफी चीजों को लेकर बदलाव हुए, जैसे मैं और कादर साहब अलग होकर काम कर रहे थे। बहरहाल, माधुरी दीक्षित की किस्मत इसी फिल्म से बदल गयी थी। ¼fgQh½

तापसी पन्नू ने फिल्म गांधारी से साझा कीं अपनी झलकियां, लिखा- युद्ध शुरू हो रहा है

अभिनेत्री तापसी पन्नू को पिछली बार अक्षय कुमार के साथ फिल्म खेल खेल में में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हुई। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफिलक्स पर उपलब्ध है।अब तापसी अपनी आगामी फिल्म गांधारी की तैयारी में जुट गई हैं। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।इसके साथ तापसी ने गांधारी से अपनी कुछ झलकियां साझा की हैं, जिसमें वह तमाम स्टार कास्ट के साथ नजर आ रही हैं।

तापसी ने लिखा, हे प्रभु, मेरी प्रार्थना स्वीकार करो। मैं कभी भी अच्छे कर्म करने से विमुख न हो जाऊं। युद्ध में जाते समय मुझे शत्रुओं का भय न रहे और मैं दृढ़ निश्चय के साथ विजय हो जाऊं। मैं अपने मन को केवल आपके गुणगान करने की शिक्षा दूं। जब समय आए तो युद्ध के मैदान में वीरतापूर्वक लड़ते हुए मर जाऊं।गांधारी के निर्देशन की कमान कनिका ढिल्लों ने संभाली है। यह फिल्म नेटफिलक्स पर रिलीज होगी।

रश्मि देसाई ने मुश्किल के दिनों को किया याद

Vhवी इंडस्ट्री में कई एक्ट्रेसेज आईं और चली गईं। बहुत कम एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने अपना चार्म और स्टारडम बनाए रखा है, उनमें से एक रश्मि देसाई हैं। रश्मि एक समय टॉप एक्ट्रेस रहीं थीं। पर्सनल लाइफ की वजह से उनकी प्रोफेशनल लाइफ में भी काफी ठहराव आया। शो मिलना बंद हुए। बिग बॉस ने उनकी किस्मत को संवारा। उतरन से पॉपुलर हुईं टॉप एक्ट्रेस के लिए सफलता की सीढ़ियां चढ़ना आसान नहीं था। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनका टीवी शो खत्म हुआ तो लाइफ में जैसे ठहर सी गई। उनपर करोड़ों का कर्जा हुआ। एक्ट्रेस ने कई पर्सनल और प्रोफेशनल चौलेंजेस का सामना किया है। रश्मि देसाई ने ब्रूट इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि उनकी जिंदगी कभी आसान नहीं रही। उन्होंने बताया, मैंने एक घर खरीदा था और मुझ पर 2.5 करोड़ का कर्ज था, और इसके अलावा मुझे याद है कि मुझ पर कुल 3.25 से 3.5 करोड़ का कर्ज था। रश्मि देसाई ने आगे कहा, मुझे लगा कि सब कुछ ठीक है, सामान्य है। मेरा शो अचानक बंद हो गया। मैं चार दिनों तक सड़कों पर रही। मेरे पास एक ऑडी ए6 थी जिसमें मैं सोती थी। मैंने अपना सामान अपने मैनेजर के घर पर रख दिया था, और मैंने खुद को अपनी फैमिली से पूरी तरह से दूर कर लिया था। रश्मि देसाई ने एक मुश्किल समय को याद किया जब उन्हें रिक्शा चालकों से सिर्फ 20 रुपये का खाना खाना पड़ता था, कभी–कभी खाने में कंकड़ भी मिलते थे। उन्होंने कहा, मेरे जीवन में वे चार दिन बहुत मुश्किल भरे थे। रश्मि देसाई ने आगे कहा, मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपने बारे में भी नहीं सोचा है। मैं हर चीज में इतनी उलझ गई कि मैं अपने बारे में भूल गई। रश्मि ने अपने आप पर काम किया और लंबे समय तक तनाव में रहने के बाद खुद को उबारा। रश्मि ने अपने रिलेशनशिप के बारे में कहा, मेरा तलाक हो गया, फिर मेरे दोस्तों ने सोचा कि मैं बहुत मुश्किल हूं क्योंकि मैं ज्यादा कुछ नहीं कहती, फिर मेरे परिवार ने सोचा कि मेरे सारे फैसले गलत थे। इससे पहले, एक पॉडकास्ट पर रश्मि ने कहा था, मैंने शो किए, सोई नहीं और बाहर से कुछ नहीं दिखाया, लेकिन अंदर से मैं तनाव से भरी हुई थी। मैं सोचती थी, यह कैसी जिंदगी है? मर जाना बेहतर होगा। ¼fgQh½

टीवी एक्ट्रेस दीपिका ने शुरू की शूटिंग, जल्द ही साझा करेंगी क्या नया कर रही हैं?

दीपिका कक्कड़ टीवी सीरियल श्ससुराल सिमर काद्य के जरिए दर्शकों के बीच मशहूर हुई थी। इसके अलावा भी उन्होंने कई हिट टीवी सीरियल्स में काम किया। टीवी एक्टर शोएब इब्राहिम से शादी के बाद वह अपनी फैमिली लाइफ में व्यस्त हो गई। उनका एक छोटा बेटा भी है, जिसकी परवरिश में वह अपना पूरा समय देती हैं। लेकिन टीवी सीरियल में काम ना करने के बावजूद भी वह लाइमलाइट में बनी रहती हैं।

दीपिका टीवी सीरियल में एक्टिव ना होने के बावजूद भी, दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाए हुए हैं। दरअसल, वह अपना एक व्लॉग चौनल यूट्यूब पर चलाती हैं। इस चौनल का नाम श्दीपिका की दुनियाद्य है। इसमें वह अपने हर दिन का हाल दर्शकों के साथ साझा करती हैं। उनके इस चौनल पर लगभग 3 मिलियन फॉलोअर हैं।

हाल ही में अपने व्लॉगिंग चौनल पर ही दीपिका कक्कड़ ने बताया कि वह जल्द ही एक दर्शकों को एक खास प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। इसी व्लॉग में वह शूटिंग वाली जगह पर भी नजर आईं। शूटिंग पर उनका बेटा भी साथ में मौजूद था। दीपिका ने कहा कि वह जल्द ही बताएंगी कि किस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रही हैं।

दीपिका के यूट्यूब चौनल पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है लेकिन उन्हें अकसर ट्रोलिंग का शिकार

होना पड़ता है। अकसर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स दीपिका कक्कड़ और उनके पति शोएब इब्राहिम को उनके रहन–सहन और पहनावे को लेकर ट्रोल कर देते हैं। कई यूजर्स तो दीपिका को इसलिए भी ट्रोल करते हैं कि उन्होंने परिवार की देखभाल के लिए करियर से ब्रेक ले लिया है। इस ट्रोलिंग पर दीपिका भी चुप नहीं रहती हैं, वह बुरी बातें बोलने वाले लोगों को अपने व्लॉगिंग चौनल के जरिए ही मुंहतोड़ जवाब देती हैं।

सुरभि ज्योति की ने शेयर की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें, सिंपल साड़ी में एक्ट्रेस को देख यूजर्स ने दिए रिएक्शंस

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति हाल ही में शादी के बंधन में बंधी है। इसी बीच लगातार वो अपनी खूबसूरत और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर अक्सर फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बनाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने भले ही थोड़े टाइम के लिए काम से ब्रेक ले रखा है, लेकिन आए दिन अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस को इस कदर दीवाना बनाती है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ एन्जॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस भले ही कुछ दिनों से एक्टिंग इंडस्ट्री से दूर हैं, लेकिन आए दिन अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को ट्रीट देती रहती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि ने लैवेंडर कलर की सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसके साथ उन्होंने स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं।बताते चलें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी–अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है– बेला की याद आ गई। दरअसल, सुरभि ज्योति ने नागिन शो किया था, जिसमें उन्होंने बेला का किरदार निभाया था। इसलिए आज भी लोग उन्हें बेला कहकर पुकारते हैं।वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है– कितनी सुंदर लग रही हैं आप। तीसरे यूजर ने लिखा है– यू आर लुकिंग सो ब्यूटिफुल।

'गोपी बहू' वास्तव में बन गयीं मां, बेटे को दिया जन्म

Vhवी एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी के घर किलकारी गूंजी हैं। एक्ट्रेस मां बन गई हैं। टीवी की फेवरेट 'गोपी बहू' ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फैंस संग गुड न्यूज साझा की। देवोलीना भट्टाचार्जी ने बेटे को जन्म दिया है। बीते बुधवार यानी 18 दिसंबर को एक्ट्रेस ने पति शहनवाज शेख के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। उन्होंने एक वीडियो के साथ अपने बेटे के जन्म की अनाउंसमेंट की।

एक्ट्रेस ने एक प्यारा सा पोस्ट शेयर कर फैंस संग मां बनने की खुशी साझा की। वो सोशल मीडिया पर शेयर किए गए पोस्ट के कैप्शन में लिखती हैं, 'हेलो वर्ल्ड हमारा लिटिल एंजेल बॉय हमारे साथ है। एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर फैंस और इंडस्ट्री के उनके दोस्तों ने दिल खोलकर प्यार लुटाया है। एक्ट्रेस देवोलीना को बधाई देते हुए सुप्रिया लिखती हैं, 'तुम दोनों को ढेर–ढेर सारी बधाई हो और छोटे से बच्चे को बहुत सारा प्यार'। देवोलीना के फ्रेंड्स एक्टर पारस छाबरा, आरती सिंह, राजिव अदातिया ने भी 'गोपी बहू' को बधाई दी है। फैंस ने भी देवोलीना के पोस्ट पर कमेंट कर शुभकामनाओं का तांता लगा दिया है। देवोलीना ने दिसंबर 2022 में अपने जिम ट्रेनर शहनवाज शेख से शादी की थी। कपल ने कोर्ट मैरिज की थी, जिसमें सिर्फ उनके परिवार वाले और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। इस साल अगस्त में 'साथ निभाना साथिया' एक्ट्रेस ने अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।